हिंदी दैनिक

# कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 149 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, मंगलवार, 17 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

### भरी अदालत CJI पर ही भड़क गया वकील ; SC में बड़ा ड्रामा

## आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट रूम नंबर वन यानी देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अदालत में आज (सोमवार, 16 नवंबर) को बड़ा बवाल देखने को मिला। दरअसल, CJI के सामने पेश एक वकील उन्हीं पर भड़क उठा और उन्हें बेईमान करार दे दिया। यह तब हुआ, जब CJI ने वकील से इंतजार करने को कहा और बोले, 'हम देखेंगे ', लेकिन वकील ने इंतजार करने से मना कर दिया। इसी बीच भड़के वकील ने कहा, 'आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं, आपमें ईमानदारी नहीं है।' इसके बाद आनन-फानन में कोर्टरूम की कार्यवाही को म्यूट (आवाज बंद) कर दिया गया। कोर्ट के एसकॉर्ट गार्ड ने फिर उस वकील को वहां से जबरन बाहर किया। इससे पहले वकील ने सीजेआई से अपने मामले को तुरंत सुनने की गुहार लगाते हुए तहा कि उसे तुरंत सुनें क्योंकि उनका मामला बहुत अर्जेंट है, और ऐसा कहने के लिए उन्होंने शुरुआत में ही माफी मांग ली। जब यह नाटकीय घटनाक्रम हुआ, तब बेंच में CJI सूर्यकांत के अलावा जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी.



मोहना भी पीठासीन थे। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मताबिक, आरोपी वकील ने अपने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए बेंच से कहा कि उनका मामला 2 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय में रखा गया था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'यह मामला 2 नवंबर को जस्टिस सूर्य कांत के कार्यालय में दिया गया था। 15 दिन बाद भी मुझे कोई जवाब नहीं मिला है। इसलिए मुझे इस कोर्ट के सामने आना पड़ा।' हालांकि, उन्होंने अपनी बात कहते हुए शुरुआत में ही बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए दोपहर 2 बजे इस मामले को उठाने के लिए माफी मांगी, और कहा कि वे एक आपातकालीन स्थिति के कारण ऐसा कर रहे हैं। इस बीच, जस्टिस वी. मोहना ने वकील से कहा, 'आप इस तरह से कोई बात नहीं रख सकते।' वकील अपनी बात पर अड़े रहे और बोले, 'नहीं, मैं एक आपातकालीन स्थिति के कारण आया हूँ। मैं सबसे पहले माफी मांगना चाहता हूँ। कृपया आप बस ये कागजात देख लें।' इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने उस वकील से इंतजार करने को कहा और बोले, 'हम देखेंगे, आप बस थोड़ा इंतजार करें।' इसी पर वो वकील भड़क उठे और छ्छ्ढ खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करनी शुरू कर दी। उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं इंतजार नहीं करूंगा। आप इस कुर्सी पर नहीं बैठ सकते, आप इसके लायक नहीं हैं। आपमें इसके लिए जरूरी ईमानदारी नहीं है! हालांकि, सूत्रों के मुताबिक वकील ने यह भी कहा कि वे बेंच में मुख्य न्यायाधीश के साथ बैठे जस्टिस बागची और जस्टिस मोहना का सम्मान करते हैं, लेकिन वे मुख्य न्यायाधीश को इस पद के लायक नहीं मानते। इस हंगामे के बाद, कार्यवाही का ऑडियो और वीडियो बंद कर दिया गया। कोर्टरूम में मौजूद वकीलों के अनुसार, बाद में उस वकील को वहां से जबरन बाहर निकाल दिया गया। बताया जाता है कि कोर्टरूम में मौजूद अन्य वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश से उस वकील के बर्ताव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। ऐसा लगता है कि वह वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले को लेकर परेशान था।

## SC-ST आरक्षित सीटों का रोटेशन कब और कैसे होगा, यह सरकार तय करेगी : सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्ट-स्ज्ञ आरक्षित सीटों के रोटेशन पर अहम आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी मतदाता या उम्मीदवार को किसी खास निर्वाचन क्षेत्र को स्ट-स्ज्ञ के लिए आरक्षित कराने का कोई अधिकार नहीं है. आरक्षित सीटों का रोटेशन किस तरीके से और किस समय-सीमा में होगा, यह सरकार के विवेकाधिकार में है. सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति (सीटों के आरक्षण का तरीका और रोटेशन) नियम, 2025 के नियम 12 को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है. कोर्ट ने कहा कि 2025 के संशोधन के बाद होने वाले अगले चुनाव को रोटेशन के लिए पहला चुनाव मानने में कुछ गलत नहीं है. याचिकाकर्ता की दलील थी कि रोटेशन का चक्र नए सिरे से शुरू होने से कम SC/ST आबादी वाले निर्वाचन क्षेत्रों को कभी आरक्षण नहीं मिल पाएगा.

जस्टिस बागची ने इस मामले में अहम टिप्पणी की कि पहली नजर में याचिकाकर्ता की दलील आकर्षक लगती है, लेकिन यह इस तथ्य को नजरअंदाज करती है कि किसी मतदाता या उम्मीदवार को किसी खास निर्वाचन क्षेत्र के आरक्षित होने का निहित अधिकार नहीं है. जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि संविधान और नियमों के तहत स्थानीय निकाय की कुल आबादी में SC/ST के अनुपात के आधार पर सीटों का आरक्षण होता है. कोर्ट ने कहा कि कानून आरक्षित सीटों के रोटेशन का प्रावधान करता है, लेकिन इसका तरीका और समय-सीमा तय करना सरकार के अधिकार क्षेत्र में है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नियम 12 आरक्षण या सीटों के रोटेशन की अवधारणा के खिलाफ नहीं. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी मतदाता या उम्मीदवार का किसी खास निर्वाचन क्षेत्र को आरक्षित कराने का निहित अधिकार नहीं है. कानून में स्ट/स्ज्ञ आबादी के घटते क्रम के आधार पर आरक्षित सीटों के रोटेशन का प्रावधान है, हालांकि, रोटेशन किस तरीके से और किस समयसीमा में किया जाएगा, यह सरकार के विवेकाधिकार के दायरे में आता है. 2025 के संशोधन के बाद होने वाले अगले चुनाव को पहला चुनाव मानने का नियम (Rule 12) आरक्षण या रोटेशन की अवधारणा के विपरीत नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी.

## सभी अग्निवीरों को मिलेगी परमानेंट नौकरी: सीडीएस एनएस राजा सुब्रमणि



नई दिल्ली। तीनों सेनाओं के चीफ (CDS) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अग्निपथ योजना को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने साफ कर दिया है कि जिन अग्निवीरों को 6 साल का एक्सटेंशन दिया जा रहा है, उन्हें परमानेंट नौकरी पर रखा जाएगा. यानी सभी अग्निवीरों को सेना में शामिल होने का मौका मिलेगा. इससे पहले इस नए नियम को लेकर काफी ज्यादा कंफ्यूजन था और अग्निवीर 4 साल में ही लौटने की बात कर रहे थे, लेकिन अब साफ हो चुका है कि जिन अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार दिया जाएगा, उन्हें भारतीय सेना में रेगुलर होने का पूरा मौका मिलेगा. CDS जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अग्निपथ योजना को लेकर कहा, 'ये कहना कि अग्निपथ योजना को रिव्यू नहीं किया जाना था और अचानक ऐसा हुआ, ये सब गलत है. जब ये योजना शुरू हुई थी, उसी समय ये बात कही गई थी कि स्कीम को टाइम-टाइम पर रिव्यू किया जाएगा. अब जब अग्निपथ योजना को चार साल पूरे हो गए तो ये समय था कि ये स्कीम कैसे रही और इसमें क्या बदलाव किए जाने चाहिए.

कोई भी चीज पत्थर की लकीर नहीं होती है, वेबकूफ लोग ऐसा करते हैं. काफी रिव्यू और स्टडी के बाद ही ये बदलाव हुआ है. सीडीएस ने ये भी साफ किया कि 6 साल बाद अग्निवीरों का क्या होगा. उन्होंने कहा, 'सबसे पहले तो मैं ये क्लियर करना चाहता हूं कि चार साल बाद 25 पर्सेंट अग्निवीर जो सिलेक्ट होंगे, वो परमानेंट रेगुलर सोल्जर बनेंगे. इस कॉन्सेप्ट के तहत उन जवानों को चुना जाता है, जिन्होंने चार साल में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया. इस स्कीम के दौरान हमने पाया कि अग्निवीर मोटिवेटेड थे, प्रोफेशनल थे, फिजिकली फिट थे और टेक्नोलॉजिकल प्रोफिशिएंट थे. इसीलिए ये 75 प्रतिशत अग्निवीर दो साल और टूर आउट ड्यूटी करेंगे, इसके बाद इन सभी को रेगुलर बना दिया जाएगा. इसमें कोई कंफ्यूजन नहीं है.

## भारतीय सेना ने लिया कुलगाम हमले का बदला! लतीफ भट्ट समेत लश्कर के दो आतंकी ढेर



जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने बड़ा एक्शन किया है. सुरक्षाबलों ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया है. इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है. लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है. सेना ने कुलगाम में हाल ही में हुए हमले का बदला ले लिया है. इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल रही.

दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें CRPF के तीन जवान घायल हो गए थे. इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए CRPF के महानिदेशक (DG) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे. यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट की तलाश की जा रही थी. इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया.

सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक (एसडीजी) संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट बढ़ा दिया है. स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो गए हैं. अहम बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था.

गौरतलब है कि कुलगाम हमले के 24 घंटे के भीतर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार, की हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने के लिए जा रहे थे.

## मजदूरों की टारगेट किलिंग और CRPF पर हमले के मास्टरमाइंड लतीफ भट समेत दो आतंकी एनकाउंटर में ढेर

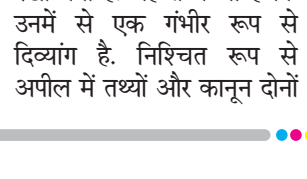


कुलगामः जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बड़ा एनकाउंटर हुआ है. इसमें लश्कर के आतंकी कमांडर लतीफ भट को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है. इसमें उसका एक साथी भी मारा गया है. लतीफ भट पिछले दिनों सीआरपीएफ पर हुए हमले और मजदूरों की टारगेट किलिंग का मास्टरमाइंड था. उसे मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी कामयाबी है. बीते कई दिनों से उसकी तलाश में सर्च ऑपरेशन चल रहा था. अब्दुल लतीफ भट के आतंकवाद से जुड़ने की कहानी भी चर्चा में रही है. 22 साल का लतीफ कभी कारपेंटर का काम करता था, लेकिन फिर आतंकी संगठन का हिस्सा बन गया.

सुरक्षा बलों के अनुसार वह कश्मीर घाटी का इकलौता सक्रिय आतंकवादी था, जो स्थानीय मूल का था. उस पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था. वह कुलगाम जिले के ही एक गांव का रहने वाला था. उसने 12वीं तक की पढ़ाई के बाद कॉलेज में एडमिशन लिया था, लेकिन पढ़ाई छोड़ दी. इसके बाद वह एक जगह पर कारपेंटर के तौर पर काम करने लगा था. वह 19 नवंबर 2025 को अपना घर से लापता हो गया था. परिवार ने उसके गायब होने की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस बरामद नहीं कर सकी. अंत में जानकारी मिली थी कि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हो गया है.

अब्दुल लतीफ भट को लश्कर-ए-तैयबा में शामिल कराने वाले हैंडलर्स सज्जाद गुल और जाकिर अहमद गनी थे. बीते कुछ वक्त में अब्दुल लतीफ भट ने कई आतंकी खड़े करने की कोशिश की थी. वह सुरक्षा बलों की हाई प्रोफाइल लिस्ट में शामिल था. पुलिस और सुरक्षा बलों को उसकी कई मामलों में लाश थी. वह अनंतनाग में सुरक्षा बलों पर हमले का आरोपी था. सुरक्षा बलों ने उसकी कई बार घेरेबंदी की थी, लेकिन वह बच निकलता था. आखिरी बार दिसंबर 2025 में अनंतनाग में वह एक एनकाउंटर में बचकर भाग गया था.

## 'बुलेटप्रूफ कांच में भी छिप जाओ, दोनों को मारेंगे', अमिताभ बच्चन और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की खुली धमकी !



नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। खुद को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों बताने वाले एक शख्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट कर बच्चन पिता-पुत्र को सीधे तौर पर निशाना बनाया है। इस धमकी ने फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्डी ढिल्लों ने अपनी फेसबुक पोस्ट में दावा किया है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों- विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। साथ ही उसने सिख समुदाय के खिलाफ बोलने वालों को भी अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेते हुए ढिल्लों ने बेहद खौफनाक धमकी दी है। उसने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अमिताभ और अभिषेक चाहे बुलेटप्रूफ कांच या घेरे के पीछे छिप जाएं, वह उन्हें बुलेटप्रूफ सुरक्षा के बावजूद गोली मारकर खत्म कर देगा।

यह ताजा धमकी अमिताभ बच्चन को ईमेल के जरिए मिली तीन बम धमकियों के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

## यमुना का पानी खराब हुआ तो राज्यों पर लगेगा भारी जुर्माना, सुप्रीम कोर्ट सख्त



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सफाई पर भारी रकम खर्च किए जाने के बावजूद यमुना नदी में पलूशन लगातार बढ़ा है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि केवल नए ट्रीटमेंट प्लांट बनाना काफी नहीं है वरन औद्योगिक कचरे और गंदे सीवेज को शुरुआत में ही रोकना जरूरी है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) को राज्यों की सीमाओं पर पानी की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि यदि किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश या उसके किसी जिले से गुजरते या वहां से बाहर निकलते समय पानी की गुणवत्ता खराब होती है तो उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश या जिले पर जुर्माना लगाया जाएगा। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा है कि यमुना की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बावजूद पलूशन कम होने के बजाए बढ़ा ही है। बेंच ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी को निर्देश दिया है कि वह उन जगहों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी करे जहां यमुना और उसके प्रमुख नाले अलग-अलग राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में प्रवेश करते हैं या उनसे बाहर निकलते हैं।

## बिलकिस बानो गैंगरेप के दो दोषियों की उम्रकैद की सजा सुप्रीम कोर्ट ने की निलंबित, जमानत दी



नई दिल्ली। बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दिया गया है. 17 साल से अधिक समय जेल में बिताने के बाद सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई है. एक दोषी के गंभीर रूप से दिव्यांग होने को राहत का आधार बनाया गया. जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को आदेश सुनाया है. दोनों दोषी उन 11 लोगों में शामिल हैं, जिनकी समयपूर्व रिहाई सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में रद्द कर दी थी. 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला सुनाया था. बता दें कि बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी ठहराए गए दो लोगों की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत दे दी है. अदालत ने यह राहत इस आधार पर दी कि दोनों दोषी 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं और उनमें से एक गंभीर रूप से दिव्यांग है. जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को दोनों दोषियों की याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया. इन याचिकाओं में बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें उनकी दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा बरकरार रखी गई थी. पीठ ने कहा कि अपील में तथ्यों और कानून से जुड़े ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर विचार किए जाने की जरूरत है. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दोनों अपीलकर्ताओं को 17 साल से अधिक समय से जेल में रखा गया है. यह तथ्य भी है कि उनमें से एक गंभीर रूप से दिव्यांग है. निश्चित रूप से अपील में तथ्यों और कानून दोनों से जुड़े ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर फैसला किया जाना है. दोषियों की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि दोनों 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं. एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे मामले में आरोपी बनाया गया था. वहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया. उन्होंने कहा कि निचली अदालत और बॉम्बे हाईकोर्ट दोनों ने मामले में उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद दोषियों को सजा सुनाई थी.

# करूणा, मानवता व दयालुता की प्रतिमूर्ति थे जलाराम बापा: भक्त दुर्गादास

उत्तरी हरिद्वार की प्रख्यात धार्मिक संस्था श्री लाल माता मन्दिर वैष्णों देवी गुफा में गुजराती श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धूमधाम से आयोजित की गयी 224वीं जयंती

हवन-पूजन और आरती के बाद साधु-संतों को कराया भंडारा, दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु



**के.के.पी संवाददाता**

हरिद्वार। सिद्धपीठ पवित्र गुफा वैष्णोदेवी मंदिर माता लाल देवी में जलाराम बप्पा की 224वीं जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, हवन और आरती का आयोजन किया गया। विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराया। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं ने जलाराम बप्पा के जयकारे लगाए। मंदिर परिसर में स्थापित जलाराम बप्पा की मूर्ति का विशेष श्रृंगार किया गया। सैकड़ों गुजराती श्रद्धालुओं व क्षेत्रवासियों ने बप्पा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद साधु-संतों के लिए भोजन भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में संतों और श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के संचालक भक्त दुर्गादास ने कहा कि जलाराम बप्पा मानवता, सेवा, त्याग, करुणा और मानव कल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने अपना समूचा जीवन समाज की कुरीतियों को समाप्त करने व सनातन को मजबूत करने में लगाया। उनकी जयंती पर मंदिर में प्रतिवर्ष श्रद्धा के साथ धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इस बार भी हवन-पूजन, आरती और साधु-संतों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि जलाराम बप्पा के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है और उनके दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में जलाराम बप्पा की मूर्ति स्थापित होने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालु माता लाल देवी के दर्शन के साथ ही बप्पा के दर्शन और पूजा-अर्चना भी करते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य लोगों को सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिकता से जोड़ना है।

# लडीधुरा स्वायत्त सहकारिता पम्दा बाराकोट की तृतीय वार्षिक आम सभा बैठक संपन्न

**शेयरधारकों को बांटा गया चौहत्तर हजार चार सौ अस्सी का लाभांश**

**के.के.पी संवाददाता**

बाराकोट। ग्रामोत्थान परियोजना व एनआरएलएम के सहयोग व मार्गदर्शन में लडीधुरा महिला संकुल संघ पम्दा (स्वायत्त सहकारिता) की तृतीय वार्षिक आम सभा निवर्तमान अध्यक्ष अनीता देवी की अध्यक्षता में ब्लाक सभागार बाराकोट में आयोजित की गई! आमसभा में उपस्थित शेयर धारकों व समूह सदस्यों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अनीता द्वारा सहकारिता की वार्षिक एवं वित्तीय प्रगति से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया। जबकि ब्लॉक वित्त सहायक मनीषा कांडपाल ने आडिट रिपोर्ट को पढकर सुनाया गया। आमसभा व संचालक मंडल



द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार संचालक मंडल का पुर्नगठन करते हुए अध्यक्ष पद पर पूजा कालाकोटी, कोषाध्यक्ष मनीषा अधिकारी तथा सचिव पद हेतु गीता देवी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। वार्षिक सभा में शेयरधारकों को रु 74480 का लाभांश भी वितरित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित खंड विकास अधिकारी अवनीश उपाध्याय ने कहा कि आगामी वर्ष में सहकारिता द्वारा तैयार व्यवसाय योजना के अनुसार संघ का बिजनेस टर्न ओवर व लाभांश बढाने हेतु संचालकों व संघ स्टाफ को प्रयास करने होंगे, तथा संघ के पास उपलब्ध धनराशि का अधिकतम उपयोग व्यवसाय टर्न ओवर में लगाया जाय, जिससे लाभांश में बढोतरी हो सके। बीएमएम दीपा राय ने एनआरएलएम द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी देते हुए निदेशक मंडल को उनके कार्य दायित्वों के प्रति निष्ठा व समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही पद की शपथ दिलाई गई। ग्रामोत्थान के सहायक प्रबंधक संस्थाएं प्रकाश चंद्र पाठक द्वारा आमसभा संचालन की विधिवत प्रक्रिया व स्वायत्त सहकारिता अधिनियम के तहत निदेशकों की चयन व चुनाव प्रक्रिया को सुगम व पारदर्शी बनाने में संचालक मंडल को आवश्यक सहयोग व मार्ग दर्शन दिया गया।

## एक नजर

### भाजपा महिला मोर्चा ने महिला सशक्तीकरण पर किया मंथन




**के.के.पी संवाददाता/अल्मोड़ा।** उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत जिला अल्मोड़ा में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पूनम पालीवाल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड सरकार की राज्यमंत्री भावना मेहरा मौजूद रहीं। राज्यमंत्री भावना मेहरा ने अपने संबोधन में उपस्थित महिलाओं का मार्गदर्शन करते हुए उत्तराखंड की विकास यात्रा और महिला सशक्तीकरण के विभिन्न आयामों पर विचार साझा किए। उन्होंने मातृशक्ति की भूमिका और प्रदेश के विकास में महिलाओं की भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिला सह प्रभारी महिला मोर्चा माला सौन, जिला महामंत्री कविता साह समेत महिला मोर्चा की जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहीं। कार्यक्रम में देवभूमि उत्तराखंड की गौरवशाली विरासत, सर्वांगीण विकास तथा मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तीकरण के संकल्प को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रवि रौतेला, कविता शाह, नीमा वर्मा, दीपिका बिष्ट, कमला तिवारी, ज्योति लटवाल, माया वर्मा, दीपा अधिकारी, बीना न्याल, मीना नेगी, ममता शाह, प्रीति रस्तोगी, दीपा जोशी, भावना रावत, रेखा बिष्ट, सोनी जोशी, माया बिष्ट, कमला जोशी, राधा आर्या, रोबीना, दीपा पांडे आदि उपस्थित रहे।

### डीएलएड प्रवेश परीक्षा को लेकर बागेश्वर के दो परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू

**के.के.पी संवाददाता।** जनपद में 18 नवंबर को आयोजित होने वाली डीएलएड प्रवेश परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्धारित परीक्षा केंद्रों में निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

परगना मजिस्ट्रेट वैभव कांडपाल ने बताया कि 18 नवंबर को सुबह आठ बजे से परीक्षा समाप्ति तक बागेश्वर स्थित विक्टर मोहन जोशी स्मारक राजकीय इंटर कॉलेज तथा विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मंडलसेरा के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा प्रभावी रहेगी।

इस अवधि में परीक्षा केंद्रों के आसपास अस्त्र-शस्त्र, धारदार हथियार, लाठी-डंडे, चाकू, स्टिक, हॉकी, खुखरी, पटाखे, बम, ज्वलनशील पदार्थ एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने पर रोक रहेगी। इसके अतिरिक्त जुलूस निकालने, भाषण देने, उत्तेजनात्मक नारे लगाने तथा अनावश्यक रूप से पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर भी प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा ड्यूटी में तैनात कार्मिकों एवं परीक्षार्थियों को इन प्रतिबंधों से छूट प्रदान की गई है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल को भावभीनी विदाई, अधिकारियों ने कार्यशैली और योगदान को सराहा

**के.के.पी संवाददाता**

चमोली स्थानांतरित हुए अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल को सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने उनके सरल स्वभाव, सहज व्यवहार एवं प्रभावी कार्यशैली की सराहना करते हुए जनपद में उनके साथ किए गए कार्यों और योगदान को याद किया तथा उनकी सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि नबियाल ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सहजता एवं कुशलता के साथ किया। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।





# हर्षित का हत्यारा गुलदार अब भी लापता, पकड़ने के लिए जंगल में उतरी विशेषज्ञ टीम

**आधा दर्जन पिंजरे और 15 ट्रैप कैमरे भी नहीं खोज पाए ठिकाना, ड्रोन से निगरानी के साथ 24 घंटे गश्त**

**के.के.पी संवाददाता**

**लोहाघाट।** सुई गांव में 13 वर्षीय हर्षित पुजारी की जान लेने वाला गुलदार अब तक वन विभाग की पकड़ से बाहर है। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत बरकरार है। गुलदार की तलाश में वन विभाग ने पूरी ताकत झोंक दी है। उसे ट्रेंकुलाइज करने के लिए विशेषज्ञ भी प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए हैं, लेकिन आधा दर्जन पिंजरे, 15 ट्रैप कैमरे और ड्रोन से निगरानी के बावजूद उसका सुराग नहीं मिल पाया है।

डीएफओ धेनु पुरुषोत्तमन ने बताया कि एसडीओ सुनील कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। वनकर्मी प्रभावित क्षेत्र में 24 घंटे गश्त कर रहे हैं। दीपावली के दौरान पटाखों के लगातार शोर से गुलदार के ठिकाना बदलने की आशंका है। विभाग की टीमें संभावित ठिकानों



पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

डीएफओ ने ग्रामीणों से सुबह-शाम अकेले बाहर नहीं निकलने, घरों के आसपास रोशनी रखने और झाड़ियों की सफाई करने की अपील की है। उन्होंने कोहरे के दौरान विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। घरों के आसपास कूड़ा और रसोई का कचरा जमा न करने की भी सलाह दी है, ताकि भालू समेत दूसरे वन्यजीव आबादी की ओर आकर्षित न हों।

उन्होंने कहा कि जंगल में गुलदार दिखाई देने पर उसका रास्ता न रोकें और न ही उसके साथ छेड़छाड़ करें। गुलदार को मारने के लिए अभी विभाग को अनुमति नहीं मिली है। फिलहाल उसे पकड़ने और ट्रेंकुलाइज करने के प्रयास जारी हैं।

# अब गांव में ही परख सकेंगे ईवीएम, मॉक वोट डालकर देखेंगे वीवीपैट की पर्ची

**के.के.पी संवाददाता**

**चम्पावत।** ईवीएम से वोट कैसे डलता है और वीवीपैट पर्ची से कैसे पता चलता है कि वोट सही उम्मीदवार को गया – अब यह सब गांव के लोग खुद अपने हाथ से आजमाकर देख सकेंगे। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जिले में ईवीएम-वीवीपैट जागरूकता अभियान शुरू हो गया है।

सोमवार को अपर जिलाधिकारी के.एन. गोस्वामी ने मोबाइल प्रदर्शन वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एडीएम ने बताया कि पांच मोबाइल वैन तहसीलों के गांवों और मोहल्लों तक पहुंचेंगी, जबकि जिला निर्वाचन कार्यालय, रिटर्निंग ऑफिसर और एसडीएम कार्यालयों में चार स्थायी प्रदर्शन केंद्र बनाए गए हैं। हर प्रदर्शन स्थल पर करीब 90 मिनट तक मास्टर ट्रेनर लोगों को मॉक वोट डलवाकर पूरी प्रक्रिया समझाएंगे। अभियान चुनाव की घोषणा तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि हर मतदेय स्थल या उसके क्लस्टर, गांव और चुनावी साक्षरता क्लब तक कम से कम एक बार वैन पहुंचेगी। प्रदर्शन सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी परिसरों में होंगे, जिनकी सूचना पंचायत भवनों, स्कूलों और बाजारों में दी जाएगी। डिजिटल माध्यमों से भी जागरूकता फैलाई जाएगी। सभी तहसीलदारों को अपने क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इस दौरान जिला सभागार में ईवीएम-वीवीपैट का प्रशिक्षण भी हुआ। कार्यक्रम में भाजपा के रोहित बिष्ट, कांग्रेस के श्याम सिंह कार्की, नोडल अधिकारी ईवीएम विमल कुमार सूंठा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# सनसनी की दौड़ में न खोए पत्रकारिता की विश्वसनीयता, राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर उठा सवाल

**'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर पत्रकारों ने किया मंथन, निष्पक्षता और जनहित को बताया पत्रकारिता की असली पहचान**

**के.के.पी संवाददाता**

**चंपावत।** राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर सोमवार को जिला सूचना कार्यालय सभागार में आयोजित विचार गोष्ठी में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और उसकी जिम्मेदारियों पर गंभीर मंथन हुआ। 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर आयोजित गोष्ठी में पत्रकारों ने कहा कि खबरों की आपाधापी और डिजिटल प्रतिस्पर्धा के दौर में पत्रकारिता की विश्वसनीयता बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। वक्ताओं ने कहा कि खबरों को सबसे पहले दिखाने की होड़ में तथ्यों और पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों से समझौता नहीं होना चाहिए। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना



नहीं, बल्कि जनता की आवाज बनना, व्यवस्था की जवाबदेही तय करना और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है। निष्पक्षता, तथ्यपरकता और सामाजिक सरोकार ही पत्रकारिता की असली ताकत हैं।

जिला सूचना अधिकारी अनुज कुमार की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में उन्होंने पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका को अहम बताया।

गोष्ठी का संचालन गिरीश बिष्ट ने किया। इस दौरान जिला पत्रकार संगठन के अध्यक्ष चंद्र बल्लभ ओली, वरिष्ठ पत्रकार चंद्रशेखर जोशी, दिनेश पांडे, राजीव मुरारी, हरीश पांडेय, बृजेश पांडे, जीवन बिष्ट और जीवन वर्ती सहित विभिन्न समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने विचार रखे।

इस मौके पर अपर जिला सूचना अधिकारी आशा गोस्वामी, नवीन भट्ट, निकिता सहित सूचना विभाग के कर्मचारी और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# रूद्रवीणा संस्था द्वारा प्यारेलाल भवन दिल्ली में एक दिवसीय संपूर्ण रामलीला का किया भव्य मंचन, दर्शकों ने कलाकारों की कि खूब सराहना

**के.के.पी संवाददाता**

**नई दिल्ली।** रूद्रवीणा संस्था द्वारा को प्यारेलाल भवन दिल्ली में एक दिवसीय संपूर्ण रामलीला का भव्य मंचन किया गया। सुप्रसिद्ध लोकगायक एवं निर्देशक शिवदत्त पंत निवासी धारड़ भिकियासैंण के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड की लोक संस्कृति और प्रभु श्रीराम की मर्यादा एवं आदर्शों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सुप्रसिद्ध लोक गायक शिवदत्त पंत पिछले 40 वर्षों से उत्तराखंड की लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। अपने साथियों के सहयोग से उन्होंने उत्तराखंड की लोक संस्कृति को देश-विदेश के मंचों तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया है। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकारों ने रामलीला के विभिन्न प्रसंगों का प्रभावशाली अभिनय करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की सुंदर प्रस्तुतियों पर सभागार में उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन एवं अभिनंदन किया।



कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक कुमार सचिव उत्तराखंड, अमेरिका से पधारे अतिथि कमलाकांत जोशी व श्रीमती रमा जोशी सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संस्था के महासचिव दिनेश फुलारा, सचिव हरीश बिष्ट, संरक्षक के.सी. पाण्डेय, प्रवासी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष पी.सी. नैनवाल, देवेंद्र कोरंगा, टी.सी. उप्रेती, बलराज नेगी, गिरीश पाण्डेय, संजय जोशी, सुरेश पाण्डेय, खुशहाल रावत, वीरेंद्र सिंह सजवाण एवं टी.सी. भंडारी ने सभी अतिथियों व सहयोगियों और कलाकारों का आभार व्यक्त किया। संस्था की ओर से सहयोगियों एवं रामलीला के कलाकारों को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में पार्श्व गायिका दीपा पंत एवं पुष्कर शास्त्री ने सुंदर राम भजनों की प्रस्तुति देकर दर्शको की वाहवाही लूटी। वहीं वीरेंद्र नेगी, गौरव पंत, अरुण तिवाड़ी एवं सुभाष सुंडली ने अपने मधुर संगीत से आयोजन को और भी आकर्षक बना कर चार चांद लगाये।

रामलीला में दिनेश कांडपाल, बसंत नेगी, राजन शर्मा, ललित धौलाखंडी, महेश उपाध्याय, मोहन सत्ती, भुवन शर्मा, अंजली नौटियाल, संजय रावत, मनीषा बहुगुणा, बबीता भंडारी, चंदन सौटियाल, मोहन पपने, रघुवर बिष्ट, जगत पाण्डेय सहित अन्य कलाकारों ने विभिन्न भूमिकाओं में शानदार अभिनय प्रस्तुत किया।

रूद्रवीणा संस्था का यह आयोजन उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कला और रामलीला की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा।

आज हर कोई आम जन उक्त रामलीला को देखने के लिए काफी लालायित है।

# जनता दरबार में आठ शिकायतें दर्ज, वन और पुलिस विभाग की अनुपस्थिति पर डीएम अपूर्वा पाण्डे नाराज

**के.के.पी संवाददाता**

जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में शिकायतकर्ताओं ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित आठ शिकायतें दर्ज कराई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दरबार में वन विभाग एवं पुलिस विभाग का कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं रहने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अनुपस्थित विभागों को नोटिक प्रेषित करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि जनता दरबार में सभी विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि




जनसमस्याओं का समाधान अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका स्थायी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समयसीमा में उनका निस्तारण करने तथा शिकायतकर्ताओं से स्वयं फोन पर वार्ता कर समाधान की पुष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

जनता दरबार में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी, उपजिलाधिकारी वैभव कांडपाल, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे

# हम लै दाज्यू ठाण है जानू, अलबेर चुनाव में

**● कुमाउंनी कवि महफिल में रचनाधर्मियों ने पहाड़ को रचनाओं में उकेरा**

**● राष्ट्रीय कुमाउंनी भाषा सम्मेलन का काव्य महफिल के साथ समापन**

**के.के.पी संवाददाता**

**अल्मोड़ाः** यहां आयोजित राष्ट्रीय कुमाउंनी भाषा सम्मेलन 'कुमाउंनी कवि महफिल' के साथ संपन्न हो गया। जिसमें वरिष्ठ व युवा रचनाधर्मियों ने अपनी सुंदर रचनाओं से पहाड़ की परंपरा, संस्कृति को उकेरते हुए ग्रामीण जीवन, प्रकृति, पलायन, विकास, रिश्वतखोरी व मौजूदा हालातों को उजागर किया।

वरिष्ठ साहित्यकार त्रिभुवन गिरी महाराज ने जिंदगी का रहस्य समझाती अपनी सुंदर रचना– 'हे मनखा मनखे की पीड़ पछाड़िये' से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।' प्रो. केसी जोशी ने पलायन व पहाड़ी घरों की दुर्दशा को उजाकर करते हुए कविता प्रस्तुत की– ' यौ टु?टी फुटि मकान छु, जो भ्यैर भितर में बुजि रौ'। वरिष्ठ साहित्यकार डा. धारा बल्लभ पांडेय ने ' यौ जनम भूमि यौ जनम भूमि, कतुक भलि हाव पाणि' गीत प्रस्तुत कर पहाड़ की सुंदरता को उकेरा। डा. प्रकाश चंद्र जोशी ने



हनुमान चालिसा कुमाउंनी में प्रस्तुत की। साहित्यकार योगेंद्र बिष्ट ने 'ओ च्यला म्यर च्यला, सुण म्यर पोथी' नामक कविता प्रस्तुत कर पलायन का दर्द उकेरा। पहाड़ में नशे के बढ़ते प्रचलन पर कटाक्ष करती कविता ' यौ शराबैक लत बड़ खराब छु' सुनाई। विनोद पंत ने 'हम लै दाज्यू ठाण है जानू, अलबेर चुनाव में' रचना से नेताओं की पोल खोलने का प्रयास किया। प्रकाश चंद्र जोशी ने 'लूटालूट न कर, चुटा चूट न कर' रचना पढ़कर भ्रष्टाचार के बोलबाले पर चोट की। महेंद्र ठकुराठी ने 'मनखी रे कसि कसि माया रची छौ' रचना प्रस्तुत की। इनके अलावा प्रकाश चंद्र जोशी, भूपेंद्र सिंह देव, आनंद सिंह बिष्ट, पवनेश ठकुराठी, नरेंद्र बंगारी, प्रकाश पांडे आदि रचनाकारों ने प्रस्तुति दी। संचालन वरिष्ठ साहित्यकार डा. धाराबल्लभ पांडेय ने किया। इस मौके पर सभी रचनाकर्मियों को प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए। वहीं सम्मेलन की व्यवस्थाओं में जुटे विनय किरौला, बलवंत सिंह बिष्ट, देवेंद्र फर्त्याल, ललित तुलेरा, शशिशेखर, जनार्दन चिलकोटी, गीता खोलिया, आनंद सिंह सौतियाल, हयात सिंह बिष्ट समेत कई सहयोगियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कुमाउंनी भाषा सम्मेलन में व्यापक मंथन के बाद कुमांउनी भाषा को आठवीं अनुसूचि में शामिल करने, इसे पहली कक्षा से ?स्कूलों के पाठ्यक्रमों में शामिल करने की मांग के प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए।

# राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर हुई चर्चा

**के.के.पी संवाददाता**

**अल्मोड़ा।** राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को राजकीय संग्रहालय के सभागार में 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने प्रेस की स्वतंत्रता, समाचारों की विश्वसनीयता और जनहित के प्रति मीडिया की जिम्मेदारी पर विचार रखे। गोष्ठी में सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं, तस्वीरों और वीडियो की पुष्टि करने, खबर से जुड़े सभी पक्षों का दृष्टिकोण जानने तथा संवेदनशील मामलों में संयमित भाषा के इस्तेमाल की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विचाराधीन मामलों की रिपोर्टिंग में अदालत का फैसला आने से पहले किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने की



प्रवृत्ति और उसके प्रभावों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने उत्तराखंड की पत्रकारिता की परंपरा का उल्लेख करते हुए स्थानीय समस्याओं, जन आंदोलनों और दूरस्थ क्षेत्रों की आवाज को सार्वजनिक विमर्श में स्थान देने में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर भी विचार रखे। जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह ने कहा कि सूचनाओं के तेजी से प्रसार के इस चुनौतीपूर्ण दौर में खबर की तथ्यपरकता और उसे प्रस्तुत करने के तरीके, दोनों पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि खबर को सनसनीखेज बनाने से बचते हुए जनहित को ध्यान में रखकर जिम्मेदारी से प्रस्तुत करना पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने में सहायक है। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रेस क्लब अल्मोड़ा के अध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी, वरिष्ठ पत्रकार नवीन बिष्ट, पीसी तिवारी, प्रकाश पांडेय सहित विभिन्न संस्थानों से जुड़े अनेक मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# डाक जीवन बीमा के लिए स्वदेशी आईएमएस एप्लीकेशन होगा लागू, 16 से 24 नवंबर तक लेन-देन रहेंगे स्थगित

**के.के.पी संवाददाता**

डाक विभाग ने डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के संचालन के लिए स्वदेशी इंश्योरेंस मैनेजमेंट सिस्टम एप्लीकेशन विकसित किया है। यह नई प्रणाली 25 नवंबर से लागू की जाएगी।

अधीक्षक डाकघर अल्मोड़ा मंडल ने बताया कि इससे पूर्व जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के संचाल का इन्फोसिस द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जा रहा था। अब विभाग ने अपनी तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करते हुए स्वयं का आईएमएस एप्लीकेशन विकसित किया है। इससे पहले जुलाई 2026 में ब्लक सॉफ्टवेयर के स्थान पर स्वदेशी ब्क्ा 2.0 सॉफ्टवेयर भी लागू किया जा चुका



है। उन्होंने बताया कि नई आईएमएस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के लिए डाक विभाग के कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि नई प्रणाली की कार्यप्रणाली और सुविधाओं से परिचित होकर ग्राहकों को बेहतर एवं निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। पीएलआई निदेशालय के निर्देशानुसार नई प्रणाली लागू करने के लिए 16 से 24 नवंबर तक सभी डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा संबंधी लेन-देन अस्थायी रूप से स्थगित रहेंगे। इस अवधि में आवश्यक तकनीकी संक्रमण एवं अन्य पूर्व-क्रियान्वयन संबंधी कार्य किए जाएंगे। नई प्रणाली 25 नवंबर से प्रारंभ होगी। अधीक्षक डाकघर ने अल्मोड़ा मंडल के सभी डाकघरों के माध्यम से ग्राहकों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा संबंधी लेन-देन 16 नवंबर से पूर्व पूर्ण कर लें, ताकि इस अवधि में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

# अपराध, भ्रष्टाचार को सीएम दे रहे संरक्षणः प्रदीप

**● मंत्री पर लगे भ्रष्टाचार की जांच करें सरकार ● पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा की पत्रकार वार्ता**

**के.के.पी संवाददाता**

**अल्मोड़ा।** पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा ने सरकार पर भ्रष्टाचार में डूबे बे होने का आरोप लगाया है। कहा मुख्यमंत्री के संरक्षण में राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने प्रदेश के काबीना मंत्री रेखा आर्या पर 200 करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रदेश सरकार द्वारा जांच नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोपित मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। पत्रकार वार्ता में बोलते हुए श्री टम्टा ने कहा पति गिरधारी लाल साहू द्वारा भ्रष्टाचार आरोपों बाद रेखा आर्या अब स्वयं को सोमेश्वर की बेटी बता रही हैं। उन्होंने कहा अंकिता भंडारी प्रदेश के अन्य जिलों की बेटियां और हत्या में जान गंवा चुके नौजवान



भी उत्तराखंड राज्य के ही बहन, बेटियां थीं, लेकिन इन्हें न्याय दिलाने के लिए रेखा आर्या कभी भी आगे नहीं आई। चुनाव के समय रेखा को स्वयं की जाति, महिला उत्पीड़न और पहाड़ की बेटी होना याद आ रहा है। उन्होंने कहा मीडिया में सार्वजनिक रूप से गिरधारी लाल साहू और रेखा आर्य ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। मंत्री की रिपोर्ट पर कारवाई हो रही है, लेकिन मंत्री पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपी की निष्पक्ष जांच करने के बजाय मुख्यमंत्री उनके पैरोकार बना रहे हैं। मंत्री पद पर रहते हुए कंपनियों में लेनदेन करना संवैधानिक नियमों के खिलाफ है। सरकार को मामले की तत्काल जांच करानी चाहिए। श्री टम्टा ने अंकिता मामले में उर्मिला सनवर का नारको टेस्ट गुजरात में कराने पर भी आपत्ती जताई। मुख्यमंत्री पर इस मामले में शामिल वीआईपी को बचाने का आरोप लगाया। श्री टम्टा और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंद सिंह कुंजवाल ने जौलजीवी मेले के घटनाक्रम पर दुख जताया। कहा इसके लिए मुख्यमंत्री का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार जिम्मेदार है। यह मामला संसदीय परंपरा के खिलाफह नहीं विधायक के विशेषाधिकार हनन का भी है। यहां विधायक मनोज तिवारी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूपेंद्रसिंह भोज, पूर्व अध्यक्ष पीतांबर पांडे, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, राजेंद्र बारा कोटी , अख्तर हुसैन आदि मौजूद थे।

# बागेश्वर में पेंशनरों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित, डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

**के.के.पी संवाददाता**

डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5 के अंतर्गत आज कोषागार बागेश्वर द्वारा तहसील सभागार, बागेश्वर में जनपद के राज्य पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (Digital Life Certificate) बनवाने की प्रक्रिया, ऑनलाइन सुविधाओं तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कोषाधिकारी, बागेश्वर श्री के.आर. शार्की द्वारा पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने जीवन प्रमाण-पत्र की ऑनलाइन प्रक्रिया, इसके महत्व तथा पेंशनरों को उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

शिविर में उप कोषाधिकारी कपकोट श्री जितेंद्र चंद्र उपाध्याय द्वारा पेंशन संबंधी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि/मैनेजर श्री मनीष मिश्रा द्वारा बैंकिंग सुविधाओं एवं पेंशन भुगतान से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई।

लीड बैंक के वित्तीय साक्षरता केंद्र (FLC) के काउंसलर श्री चंदन सिंह द्वारा पेंशनरों को वित्तीय साक्षरता एवं बैंकिंग जागरूकता के संबंध में बताया गया।

इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग की उपनिरीक्षक (SI) सुश्री मंजू पवार द्वारा साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं डिजिटल ठगी से बचाव के उपायों के संबंध में जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. शिप्रा द्वारा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

# पंजाब में पुलिसकर्मी की हत्या से हड़कंप, आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी; पुलिस और सुरक्षा बलों को दी धमकी

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस हेड कांस्टेबल विनोद कुमार की गोली मारकर हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इस वारदात के बाद सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्टर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान ने हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। पोस्टर में पुलिस और सुरक्षा बलों को भी धमकी दी गई है। हालांकि, पंजाब पुलिस ने संगठन के इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है।

42 वर्षीय विनोद कुमार पंजाब पुलिस की टेक्निकल सर्विसेज विंग में तैनात थे और सुजानपुर थाने से वायरलेस ऑपरेटर के रूप में जुड़े थे। उनका शव गुरदासपुर के मानकौर बाईपास के पास मिला। वह ड्यूटी से लौटते समय संगरूर से गुरदासपुर पहुंचे थे। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने रविवार रात अपने भाई को फोन कर बाईपास से लेने के लिए बुलाया था।




काफी तलाश के बाद उनका शव सड़क किनारे मिला। पुलिस के अनुसार, उनके सिर में गोली लगी थी।

इस बीच, वायरल पोस्टर में संगठन ने दावा किया है कि वह इस हत्या के लिए जिम्मेदार है और आगे भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) पीके सिन्हा ने कहा कि पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है और उसकी जांच की जा रही है। पुलिस आतंकी एंगल समेत सभी संभावित पहलुओं पर पड़ताल कर रही है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस संगठन का संबंध पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी शाहजाद भट्टी से बताया जाता है। गृह मंत्रालय ने 16 सितंबर को शाहजाद भट्टी नेटवर्क को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित किया था। पंजाब में इस साल अब तक एक होमगार्ड समेत पांच पुलिसकर्मियों की लक्षित हत्याएं हो चुकी हैं। लगातार हो रही वारदातों ने राज्य की कानून-व्यवस्था और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# जनगणना 2027: डीएम अपूर्वा पाण्डे ने प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी, 16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना प्रक्रिया

**के.के.पी संवाददाता**

बागेश्वर। जनगणना कार्यक्रम के तहत आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को स्व-गणना की प्रक्रिया, इसके महत्व एवं ऑनलाइन पंजीकरण के संबंध में जागरूक करेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जनपदवासियों से निर्धारित समयावधि में स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्व-गणना से जनभागीदारी बढ़ेगी और




जनगणना प्रक्रिया अधिक सरल एवं व्यवस्थित होगी।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्वयं स्व-गणना करने तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इसके लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 नवंबर तक संचालित होगी। इसके उपरांत एक दिसंबर से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना तथा 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण कार्य किया जाएगा। नागरिक आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in के माध्यम से स्व-गणना कर सकते हैं।

# भारत की पहली सेमीकॉन सिटी बनने की ओर तेज कदम

**सेमीकंडक्टर उद्योग से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और आतिथ्य तक समग्र विकास को मिल रही रफ्तार**

अहमदाबाद। भारत की पहली उभरती सेमीकॉन सिटी के रूप में धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (डी-एसआईआर) अपनी पहचान मजबूत करने के बाद अब औद्योगिक विकास के साथ-साथ विश्वस्तरीय भौतिक, आर्थिक और सामाजिक बुनियादी सुविधाओं के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं, आतिथ्य सत्कार, शिक्षा और शहरी सुविधाओं के क्षेत्र में निवेश के महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खुल रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल धोलेरा एसआईआर में जारी परियोजनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। प्रमुख औद्योगिक, सामाजिक और शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाती है। यह गुजरात सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके



तहत उद्योगों, निवेशकों, पेशेवरों और स्थानीय निवासियों की जरूरतों को पूरा करने वाला एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने हालिया समीक्षा के दौरान धोलेरा के एक्टिवेशन एरिया में विकसित की जा रहीं महत्वपूर्ण सामाजिक बुनियादी सुविधाओं की प्रगति का आकलन किया। सामाजिक बुनियादी ढांचे में 200 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, एकीकृत स्कूल, अग्निशमन केंद्र, होटल, गेस्ट हाउस, फूड कोर्ट, टेंट सिटी तथा आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाएं शामिल हैं। इस समीक्षा में मुख्यमंत्री के पिछले दौरे के बाद से हुई उल्लेखनीय प्रगति स्पष्टता के साथ रेखांकित हुई।

यह भी इंगित हुआ कि धोलेरा एक आत्मनिर्भर शहरी और औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। धोलेरा में आतिथ्य सत्कार से जुड़ी कई परियोजनाएं पूर्णता के करीब हैं। इनमें सुइट और कॉन्फ्रेंस सुविधाओं से युक्त 42 कमरों का गेस्ट हाउस, लगभग 600 लोगों को एक साथ भोजन परोसने की क्षमता वाला फूड कोर्ट और 50 टेंट वाली टेंट सिटी शामिल हैं। जल्द ही इन सुविधाओं के कार्यरत होने की उम्मीद है। ये सुविधाएं कार्यरत होने से धोलेरा की देश-विदेशों से आने वाले निवेशकों, उद्यमियों, कारोबारी प्रतिनिधिमंडलों और अन्य आगंतुकों का आतिथ्य-सत्कार करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश परियोजनाओं के आकार लेने के साथ आने वाले वर्षों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और आतिथ्य सुविधाओं की मांग में भी काफी वृद्धि होने की उम्मीद है।

# वैश्विक मंच पर चमका वडनगर, म्यूजियम को मिला रेड डॉट अवॉर्ड

**जर्मनी के बर्लिन में 'बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवॉर्ड 2026' से सम्मानित**

**यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का पहला और एकमात्र म्यूजियम बना 'अनंत अनादि वडनगर'**

अहमदाबाद। उत्तरी गुजरात के ऐतिहासिक शहर वडनगर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां स्थित 'अनंत अनादि वडनगर आर्कियोलॉजिकल एक्सपीरियंशियल म्यूजियम' को जर्मनी के बर्लिन में प्रतिष्ठित 'रेड डॉट : बेस्ट ऑफ द बेस्ट अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के साथ ही वडनगर का यह म्यूजियम भारत का पहला और एकमात्र म्यूजियम बन गया है, जिसे यह विशिष्ट उपलब्धि मिली है। इससे गुजरात की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान मिली है। गुजरात के उपमुख्यमंत्री



हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जताई। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता की सदियों पुरानी विरासत अब वैश्विक डिजाइन के मंच पर अपनी पहचान बना रही है। यह उपलब्धि गुजरात के इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि वडनगर इतिहास रच रहा है और इस सम्मान से गुजरात की विरासत वैश्विक डिजाइन मानचित्र पर पहुंच गई है।

'अनंत अनादि वडनगर' भारत का पहला एक्सपीरियंशियल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी सामान्य प्रदर्शनी स्थल की तरह नहीं, बल्कि वास्तविक पुरातात्विक उत्खनन स्थल पर विकसित किया गया है। यह म्यूजियम वडनगर के 2,500 साल से अधिक पुराने इतिहास और यहां निरंतर मानव बसावट की समृद्ध परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है।

जनवरी 2025 में आम लोगों के लिए खोले गए इस म्यूजियम का क्षेत्रफल करीब 12,500 वर्गमीटर है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया था।

म्यूजियम में नौ अलग-अलग थीम आधारित गैलरी बनाई गई हैं। इनमें पुरातात्विक उत्खनन से मिले अवशेषों, ऐतिहासिक कलाकृतियों और डिजिटल प्रस्तुतियों के जरिए वडनगर की सभ्यता के विभिन्न दौरों को दर्शाया गया है। यहां आधुनिक डिजिटल तकनीक और इंटरएक्टिव स्टोरीटेलिंग के माध्यम से इतिहास को रोचक अनुभव में बदला गया है।

इस म्यूजियम की सबसे अनूठी विशेषता इसका वास्तविक पुरातात्विक उत्खनन स्थल है। यहां जमीन से करीब 16 से 18 मीटर नीचे तक मिले प्राचीन अवशेषों को संरक्षित कर प्रदर्शित किया गया है।

# संपादकीय

## चीन और माइक्रोसॉफ्ट पर निर्भरता घटाने की वैश्विक मुहिम

दुनिया में आर्थिक और तकनीकी शक्ति का संतुलन तेजी से बदल रहा है। पिछले दो दशकों में सस्ती वस्तुओं, आधुनिक तकनीक और बड़े पैमाने पर किए जा रहे उत्पादन के कारण चीन दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री बन गया है। इसी तरह कंप्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, क्लाउड सेवाओं के कारोबारी, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट का वर्चस्व स्थापित हो गया है। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के आर्थिक दबाव, आपूर्ति व्यवस्था में बाधाएं, तकनीकी व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव सामने आए हैं. उसने दुनिया के देशों को एक नई चिंता में डाल दिया है। अब सवाल यह है कि क्या कोई भी देश अपनी अर्थव्यवस्था और संचार व्यवस्था को कुछ चुनिंदा देशों और कंपनियों के भरोसे छोड़ सकता है? भारत सहित दुनिया के अनेक देश अब इस निर्भरता से बाहर निकलने के विकल्प तलाश रहे हैं। यह केवल व्यापार के क्षेत्र का ही सवाल नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और तकनीकी संप्रभुता की चिंता का विषय भी बन चुका है।

चीन ने पिछले वर्षों में लिथियम, निकेल, दुर्लभ खनिजों, सौर ऊर्जा उपकरणों, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा निर्माण के कच्चे माल और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। दुनिया के अनेक देशों ने सस्ते उत्पादन के कारण चीन से आयात को प्राथमिकता दी। भारत में देवी-देवताओं की मूर्तियों, सजावटी सामान, खिलौनों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, पटाखों और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं में चीनी उत्पादों की पहुंच बढ़ी है। इस निर्भरता का दूसरा पहलू भी सामने आया है। जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज के निर्यात पर नियंत्रण लगाता है, या व्यापारिक तनाव के बीच आपूर्ति प्रभावित होती है, तो दूसरे देशों के उद्योगों पर सीधा असर पड़ता है। पिछले दो वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा, चिप निर्यात पर प्रतिबंध, दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण और व्यापार शुल्कों ने वैश्विक कंपनियों को अपनी उत्पादन व्यवस्था बदलने के लिए मजबूर किया है। यूरोप भी इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और सौर उपकरणों के मामले में अब चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

इसका परिणाम यह है, अब केवल सस्ता सामान खरीदना पर्याप्त नहीं माना जा रहा। देश यह भी देख रहे हैं कि संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति जारी रहेगी या नहीं। भारत के लिए यह अवसर है, जब वह अपने घरेलू उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, दवा उद्योग और खनिज प्रसंस्करण क्षमता को मजबूत करे। इसी तरह से वैश्विक स्तर पर तकनीकी और इंटरनेट के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों से इसके दुष्प्रभाव विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में कई देश अब अपनी खुद की तकनीकी और इंटरनेट की सेवाएं किस तरीके से हों जिसमें माइक्रोसॉफ्ट के ऊपर कम आश्रित रहना पड़े, इस दिशा में काम शुरू कर चुके हैं। कई देश अपने सॉफ्टवेयर की शुरुआत कर चुके हैं, इनमें फ्रांस, जर्मनी, ऑस्टिया समेत भारत भी है। फ्रांस में तो साल 2027 तक सरकारी विभाग व जूम नहीं अपना वीडियो-कॉल प्लेटफॉर्म विजियो अपनाएंगे। भारत भी सरकारी ईमेल जोहो क्लाउड का इस्तेमाल कर रहा है। इस प्रकार भारत समेत दुनिया के कई देश अब तकनिकी और सेवाओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसमें उन्हें कितनी सफलता मिलेगी यह कहना मुश्किल है, लेकिन इतना तय है कि आने वाले समय में माइक्रोसॉफ्ट के लिए भी दुनिया भर में चुनौती बढने जा रही है। इसके आसार अभी से देखने लगे हैं।

## प्रकाश के पर्व पर हिंसा का घोर अंधेरा

**पं.नरेश शर्मा**

भारतीय समाज में आज भी सामूहिक शक्ति का महत्वपूर्ण स्थान है। अधिकांश अपराध तो इसी प्रभाव में नियंत्रित हो जाते हैं। समय की गति के साथ साथ शनैःशनैः इस शक्ति का ह्रास हो रहा है। रिश्तेदारों,वरिष्ठ जनों एवम् परिचितों की आंखों का लिहाज समाप्त होता जा रहा है। समाज की शक्ति जब इस प्रकार क्षीण होने लगती है तब सोशल पुलिसिंग में प्राण फूंककर उसे सक्रिय करना अवश्यम्भावी हो जाता है।

यह आंकड़ा भयभीत करने के लिए पर्याप्त है कि भारत में एक लाख लोगों की सुरक्षा हेतु लगभग 200 पुलिस अधिकारी ही स्वीकृत हैं। जबकि बड़ी संख्या में पुलिस विभाग में पद रिक्त होने के कारण वास्तविक बल की उपलब्धता,स्वीकृत बल की तुलना में काफी कम है। एक तथ्यात्मक गणना यह भी है कि भारत में औसतन लगभग 645 से 650 नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व मात्र एक पुलिसकर्मी पर है। मध्य प्रदेश जैसे बड़े प्रांतों में यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से भी कम है।

यह अत्यंत दुर्भाग्य का विषय है कि दीपावली के प्रकाश उत्सव जैसे सबसे पवित्र,शालीन,सुन्दर,मनोरम पर्व पर जो भाईचारा, सद्भावना के साथ आपसी मनमुटाव को विसरने का संदेश देता है। यह अवसर सभी के साथ हर्षोल्लास से इस पर्व को मनाने की प्रेरणा भी देता है। इसी पवित्र दिन जबलपुर जिसे संत विनोबा भावे ने संस्कारधानी शब्द से अलंकृत किया है, की सड़कों को तत्वों ने खूनी संघर्ष कर रक्तरंजित कर दिया। जबलपुर के घमापुर,गोरखपुर,गौरी घाट एवं चरगवाँ थानान्तर्गत क्षेत्र में पांच हत्याएं की गई। जिस रात शहर को रोशनी से जगमगाना था, उस रात बेखौफ खून की होली खेली गई।

कानून की रक्षक पुलिस लाचार नजर आ रही है। इस अव्यवस्था एवं दुर्दान्तता के मेरी समझ में प्रमुख पाँच कारण हैं : सामाजिक- सामूहिक शक्ति का क्षीण होना,वरिष्ठों की नजरों का लिहाज समाप्त होना, सामुदायिक पुलिसिंग का पुलिस द्वारा महत्व न समझना,पुलिस बल की कमी एवं उपलब्ध बल का निष्क्रिय प्राय होना। जहाँ एक और पुलिस बल लाचार एवं निष्क्रिय है वहीं दूसरी ओर पर्यवेक्षण की असक्षमता भी स्पष्ट दृष्टिगत है जो अत्यन्त चिंतनीय है। प्रश्न यह है कि जब इस पवित्र पर एवं सदियों से शांतिपूर्वक मनाये जाने वाले दीपावली पर्व पर भी समाज सुरक्षित नहीं है तो पुलिस के होने..ना होने के क्या मायने हैं ? मैंने पूर्व में भी लिखा था कि थानेदारों को अपने कार्पोरेट कार्यालय से बाहर निकलना होगा, उन्हें अपनी पदस्थापना को संविदा नियुक्ति न समझकर मात्र कार्यकाल पूर्ण करने की औपचारिकता से ऊपर उठकर कार्य करना होगा। ज़ीरो रिस्पॉन्स टाइम नियम को आत्मसात करना होगा। वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूक्ष्मता से संबंधित पुलिस अधिकारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करना होगा। अन्यथा इस प्रकार की घटनाओं से पुलिस के प्रति असंतोष,रोष उत्पन्न होगा एवम् कालान्तर में यह सामूहिक भर्त्सना का कारण बनेगा।

वर्षों के निरंतर कठिन प्रयासों एवम् न्यायसंगत प्रयोग व कठोर निर्णयों के परिणामतः यह शहर अपराधियों के भय से मुक्त हुआ है किंतु संस्कारधानी जबलपुर में एक बार पुनः निरंकुश अपराधियों के हाथों में अवैध कट्टे ( फायर आर्म्स ) व बटनदार चाकू चमक रहे हैं। ये तत्व कानून व्यवस्था को धता दिखाकर जिम्मेदारों को चिड़ा रहे हैं। विचारणीय यह है कि इन तत्वों के पास अवैध घातक शस्त्र आखिर आ कहाँ से रहे हैं ? इन शस्त्रों का स्रोत क्या है ? अनुसंधान में पुलिस का परत दर परत उस स्रोत तक पहुँचना भी अनिवार्य है।

# गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता

**कुमार कृष्णन**

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है– जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए।

# आजम खान के बहाने सपा पर चंद्रशेखर का निशाना

**सौरभ वार्ष्णेय**

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही नए राजनीतिक समीकरण बनने और पुराने गठबंधनों की जमीन खिसकने की कवायद तेज हो गई है। सत्ता की इस सियासी जंग में अब असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की जुगलबंदी ने एक नया मोर्चा खोल दिया है। यह गठबंधन महज दो राजनीतिक दलों का चुनावी समझौता नहीं, बल्कि प्रदेश की उस सामाजिक और राजनीतिक जमीन पर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश है, जिस पर लंबे समय से समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की नजर रही है। खास बात यह है कि गठबंधन की घोषणा के 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि चंद्रशेखर आजाद ने सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान को लेकर ऐसा बयान दे दिया, जिसने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी।

चंद्रशेखर आजाद ने सवाल उठाया कि आजम खान किसकी वजह से जेल में हैं, यह सबको मालूम है। उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खान का इस्तेमाल केवल मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए किया गया और जब उनके अधिकारों की लड़ाई लडने का वक्त आया तो उनके साथ खड़े होने वाले लोग पीछे हट गए। जाहिर है कि इस बयान का निशाना समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर था। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह बयान केवल आजम खान के प्रति सहानुभूति जताने की कोशिश नहीं, बल्कि सपा के मुस्लिम नेतृत्व और उसके राजनीतिक व्यवहार पर सवाल खड़ा करने की रणनीति भी है। दरअसल, समाजवादी पार्टी की राजनीति में आजम खान की भूमिका किसी सामान्य नेता की नहीं रही है। वह दशकों तक पार्टी के सबसे प्रभावशाली मुस्लिम चेहरों में शामिल रहे। रामपुर और रुहेलखंड क्षेत्र में उनका अपना जनाधार रहा है। मुस्लिम मतदाताओं के बीच उनकी राजनीतिक स्वीकार्यता ने सपा को एक मजबूत सामाजिक आधार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में आजम खान की नाराजगी, राजनीतिक उपेक्षा या उनके साथ हुए व्यवहार को लेकर उठने वाले सवालों का असर केवल एक नेता तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह समाजवादी पार्टी के मुस्लिम समर्थन आधार को भी प्रभावित कर सकता है। यही वह राजनीतिक खालीपन है, जिसे ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद अपने लिए अवसर के रूप में देख रहे हैं। दोनों नेताओं ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाकर दलितों और मुसलमानों को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने का प्रयास किया है। चंद्रशेखर आजाद का मुख्यमंत्री पद का चेहरा होना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। इसके माध्यम से वह दलित समाज को यह संदेश देना चाहते हैं कि अब उसे केवल किसी बड़े राजनीतिक दल के समर्थन आधार के रूप में नहीं, बल्कि सत्ता के नेतृत्वकारी दावेदार के रूप में अपनी राजनीतिक ताकत स्थापित करनी चाहिए। यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ओवैसी और चंद्रशेखर की जोड़ी अखिलेश यादव के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण में सेंध लगाने में सफल हो पाएगी? समाजवादी पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में पीडीए को अपनी राजनीति का केंद्रीय आधार बनाया है। इस रणनीति के तहत पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक साझा राजनीतिक पहचान देकर भाजपा के मुकाबले व्यापक सामाजिक गठबंधन तैयार करने की कोशिश की गई है। लेकिन किसी भी सामाजिक गठबंधन की मजबूती केवल नारों और चुनावी घोषणाओं से तय नहीं होती, बल्कि उसके पीछे नेतृत्व, भरोसा, संगठन और राजनीतिक हिस्सेदारी का ठोस आधार होना जरूरी है।

ओवैसी की राजनीति का प्रमुख आधार मुस्लिम मतदाताओं के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व और अधिकारों का सवाल रहा है। वहीं चंद्रशेखर आजाद ने दलित राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश की है। दोनों के साथ आने से एक ऐसा राजनीतिक विकल्प सामने आ सकता है, जो मुस्लिम और दलित मतदाताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का प्रयास करेगा। हालांकि, इस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि मुस्लिम और दलित मतदाताओं को केवल भावनात्मक मुद्दों के आधार पर एक साथ लाना कितना संभव होगा। दोनों समुदायों की राजनीतिक प्राथमिकताएं, क्षेत्रीय परिस्थितियां और चुनावी अपेक्षाएं अलग-अलग भी हो सकती हैं।

आजम खान का मुद्दा इस गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक हथियार बन सकता है। यदि चंद्रशेखर आजाद आजम खान से मुलाकात करते हैं और उनके पक्ष में खुलकर राजनीतिक आवाज उठाते हैं, तो वह सपा के मुस्लिम समर्थकों के बीच यह संदेश देने की कोशिश करेंगे कि उनकी पार्टी मुस्लिम नेतृत्व के सम्मान और अधिकारों के सवाल पर अधिक मुखर है। लेकिन यह भी समझना होगा कि आजम खान के समर्थकों का असंतोष अपने आप किसी दूसरे राजनीतिक दल के समर्थन में परिवर्तित हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। आजम खान की राजनीतिक निष्ठा, उनके समर्थकों की सोच और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका इस पूरे समीकरण को प्रभावित करेगी। दूसरी ओर अखिलेश यादव के सामने भी इस चुनौती को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। वह पिछले महीने आजम खान से मुलाकात कर उनके प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता का संदेश दे चुके हैं और उनके खिलाफ दर्ज मामलों को राजनीतिक साजिश बता चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या इतना पर्याप्त है? सपा नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि पार्टी के पुराने और प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के बीच भरोसे की कमी पैदा न हो। केवल पीडीए का नारा देने से सामाजिक समीकरण मजबूत नहीं होते, इसके लिए सभी वर्गों को राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर सम्मानजनक भागीदारी भी देनी पड़ती है।पश्चिमी उत्तर प्रदेश, रुहेलखंड और पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में इस नए गठबंधन की राजनीतिक गतिविधियों पर विशेष नजर रहेगी। इन क्षेत्रों में मुस्लिम और दलित मतदाताओं की संख्या कई विधानसभा सीटों पर चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। यदि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद का मोर्चा इन मतदाताओं के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने में सफल होता है, तो उसका सीधा असर सपा के चुनावी गणित पर पड़ सकता है। हालांकि, इसका लाभ किसे मिलेगा, यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि भाजपा विरोधी मतों का विभाजन किस स्तर तक होता है।

यहां बहुजन समाज पार्टी की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चंद्रशेखर आजाद के सामने दलित राजनीति में मायावती की ऐतिहासिक विरासत और उनके पारंपरिक मतदाता आधार को चुनौती देने का सवाल भी होगा। दलित समाज का एक बड़ा वर्ग अभी भी बसपा की राजनीतिक पहचान से जुड़ा हुआ है, जबकि एक हिस्सा सपा के साथ नए सामाजिक समीकरणों में अपनी संभावनाएं तलाश रहा है। ऐसे में चंद्रशेखर को केवल मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर देने से दलित मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिल जाएगा, यह मान लेना राजनीतिक अपरिपक्वता होगी।

# बैंक ऑफ अमेरिका की जारी नई रिपोर्ट ने दुनियाँ को चौंकाया!

## भारत की अर्थव्यवस्था में वैश्विक भरोसे का महाविस्फोट !

**एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

दुनियाँ की आर्थिक महाशक्तियों को भारत देगा कड़ी चुनौती! पीएम बोले 2047 का इंतजार क्यों? शेयर बाजार में तेजी, परंतु क़्या विकास का लाभ हर घर पहुंचेगा? -समग्र व्यापक महा-विश्लेषण

बैंक ऑफ अमेरिका का बड़ा अनुमान- दुनियाँ की नजरें भारतीय अर्थव्यवस्था पर!पीएम का 2047 से पहले विकसित भारत का आह्वान- शेयर बाजार में तेजी,परंतु क़्या से मध्य वर्ग तक भी होगा मालामाल?

भारत की विकास गाथा में नया आर्थिक अध्याय! बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट में 7.4 प्रतिशत जीडीपी का अनुमान-पीएम का 2047 से पहले विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान-सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी,परंतु क़्या मध्यम वर्ग छोटे व्यापारियों व आम आदमी तक पहुंचेगी विकास की दौड़?

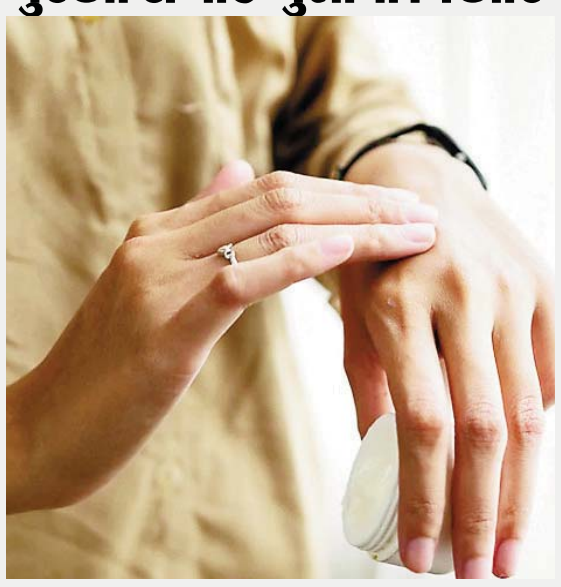
वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां एक ओर वैश्विक वित्तीय संस्थान भारतीय विकास की संभावनाओं पर भरोसा जता रहे हैं, दूसरी ओर केंद्र सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की बात कर रही है।भारत में आर्थिक बहस अक्सर गरीबों के कल्याण और उद्योगों को प्रोत्साहन देने के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती है। यह आवश्यक भी है,लेकिन मध्यवर्ग और छोटेकारोबारियों की समस्याओं को भी समान गंभीरता से समझने की आवश्यकता है।यही वर्ग कर भुगतान,उपभोग,बचत, निवेश और रोजगार सृजन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि आर्थिक विकास की वास्तविक सफ़लता केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों,शेयर बाजार के सूचकांकों अथवा औद्योगिक उत्पादन की तेजी से नहीं मापी जा सकती।इसकी असली कसौटी यह है कि विकास का लाभ गरीब,मध्यम वर्ग,नौकरीपेशा परिवार छोटे व्यापारी, उद्यमी और किसानों तक किस सीमा तक पहुंचता है। इसी व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में 12 नवंबर 2026 का दिन भारत की आर्थिक चर्चा के लिए विशेष महत्व रखता है।

साथियों बात अगर हम बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट : भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर बड़े अनुमान को समझने की करें तो,12 नवंबर 2026 को सामने आए आर्थिक आकलन में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज की आर्थिक विकास संबंधी रिपोर्ट की है।बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्चके अर्थशास्त्रियों के आकलन के अनुसार वित्त वर्ष 2026- 27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रह सकती है।यह अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक मजबूती,औद्योगिकगतिविधियों और विनिर्माण क्षेत्र की बेहतर संभावनाओं को रेखांकित करता है।इस अनुमान के पीछे सबसे महत्वपूर्ण आधार औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी है ।विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 8.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 7.3 प्रतिशत की मजबूती तथा सेवाक्षेत्र की सक्रियता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। इसके अतिरिक्त बैंक ऋण वृद्धि लगभग 20 प्रतिशत के आसपास रहने, वाहन बिक्री, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग, बिजली की खपत और माल ढुलाई गतिविधियों में मजबूती को भी विकास के सकारात्मक संकेतकों के रूप में देखा गया है।बैंक ऑफ अमेरिका का आकलन यह भी बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल सरकारी खर्च के सहारे विकास नहीं हो रहा, बल्कि निजी क्षेत्र की गतिविधियां, उपभोग और औद्योगिक निवेश भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतकी विकास संभावनाओं को सकारात्मक माना जा रहा है।एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक स्पष्टीकरण उपलब्ध प्रकाशित समाचारों में इस आकलन की किसी अलग औपचारिक रिपोर्ट का निश्चित शीर्षक नहीं दिया गया है। इसलिए इसे बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज के आर्थिक अनुसंधान संबंधी आकलन के रूप में प्रस्तुत करना उचित होगा। साथ ही 7.7 प्रतिशत का आंकड़ा उपलब्ध रिपोर्टिंग में वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी अनुमान के रूप में दर्ज है,अक्टूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही के रूप में नहीं।अतःदोनों अवधियों को एक मानकर प्रस्तुत करना सही नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम का संदेश 2047 का इंतजार नहीं, विकसित भारत का लक्ष्य अभी से हासिल करने का संकल्प को समझने की करें तो 12 नवंबर 2026 को भाजपा मुख्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में पीएम ने विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया।उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 2047 की समय- सीमा तक बैठकर इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। 2047 स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का राष्ट्रीय लक्ष्य अवश्य है, लेकिन देश को विकसित बनाने की दिशा में प्रयास आज से ही निरंतर होने चाहिए।पीएम का यह संदेश केवल राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की व्यापक आवश्यकता की ओर भी संकेत करता है।भारत ने आधारभूत ढांचे, डिजिटल तकनीक, सड़क, रेलवे, ऊर्जा, अंतरिक्ष, विनिर्माण और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।लेकिन विकसित राष्ट्र बनने के लिए इन उपलब्धियों को आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार से जोड़ना भी उतना ही जरूरी है।पीएम ने मीडिया से भी आग्रह किया कि वह भारत की उपलब्धियों और सकारात्मक बदलावों को देश तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। इस प्रकार 2047 का लक्ष्य केवल सरकार की योजना न रहकर राष्ट्रीय सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय बनना चाहिए।

साथियों बात अगर हम आर्थिक विकास के बीच मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की चुनौतियां : संतुलन क्यों जरूरी?इसको समझने की करें तोभारत की आर्थिक विकास यात्रा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब जीडीपी की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है और औद्योगिक क्षेत्र में मजबूती दिखाई दे रही है, तब इस विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक किस प्रकार पहुंचेगा?लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा केवल आर्थिक विकास दर बढ़ाने की नहीं होती,बल्कि यहसुनिश्चित करने की होती है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक संतुलित रूप से पहुंचे निर्धन परिवारों को बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा चाहिए उद्योगों को निवेश और विस्तार के अवसर चाहिए, जबकि मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की अपेक्षाएं स्थिर आय, कम लागत और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी होती हैं।सफल आर्थिक नी

## सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

### विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

#### नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

#### सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

#### एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

#### दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

#### घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

#### ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

### इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।

**रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।**





## लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

### कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

### ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

### कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

## मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी

समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

### आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

### पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

### वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज म?क?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा



लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।

### ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

### चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

## अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार

धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।



### धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

### बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

### वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

### कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

### एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।

## गुजरात में कुडो को मिलेगा नया मंच, खिलाड़ियों को मिलेगा प्रोत्साहन : हर्ष संघवी

अहमदाबाद। गुजरात में कुडो खेल को बढ़ावा देने और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कुडो टूर्नामेंट में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और महाराणा ऑफ मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शिरकत की। इस दौरान तीनों अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल के महत्व पर अपने विचार रखे।

उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने अभिनेता अक्षय कुमार की खेल के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि गुजरात के युवाओं की ओर से वह उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। सफलता और व्यस्तता के बावजूद अक्षय कुमार पिछले सात-आठ वर्षों से बिना किसी साल का अंतराल लिए कुडो टूर्नामेंट के आयोजन के लिए समय और सहयोग दे रहे हैं। फिल्मों की शूटिंग और व्यस्त कार्यक्रमों के बीच खेल के लिए उनका समय निकालना युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

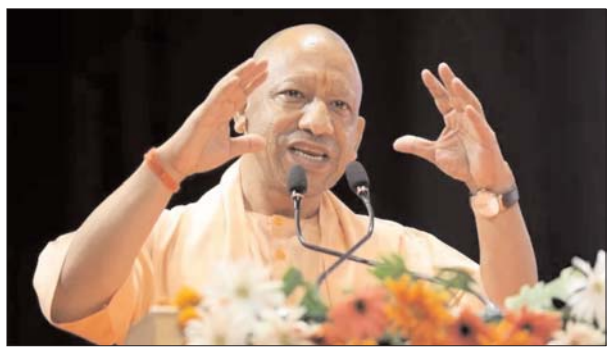
उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार आज की युवा पीढ़ी के लिए फिटनेस, अनुशासन और समर्पण के आदर्श हैं। कभी नियमित व्यायाम और दौड़ लगाने वाले युवाओं का मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन आज फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता लाखों युवाओं को प्रेरित कर रही है। संघवी ने भरोसा दिलाया कि सूरत से शुरू हुए इस टूर्नामेंट को अहमदाबाद में राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक व्यापक मंच दिलाने के लिए गुजरात सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। सामूहिक प्रयासों से आने वाले वर्षों में कुडो को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

### स्वास्थ्य को जीवन में दें सर्वोच्च प्राथमिकता : अक्षय कुमार

अभिनेता अक्षय कुमार ने टूर्नामेंट के आयोजन में सहयोग के लिए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, सभी अतिथियों और आयोजकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले 18 वर्षों से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू खिलाड़ियों का स्वास्थ्य और शारीरिक फिटनेस है। जीवन में सुख, शांति और सेवा के साथ स्वास्थ्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर से ही जीवन में सकारात्मक कार्य किए जा सकते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले 300 से अधिक रेफरी, शिक्षकों और खिलाड़ियों की सराहना की। साथ ही अभिभावकों का विशेष आभार जताते हुए कहा कि बच्चों को कुडो जैसी आत्मरक्षा की विधा सीखने के लिए प्रेरित करने में माता-पिता की भूमिका बेहद अहम है। ऐसी खेल गतिविधियां बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण की भावना विकसित करती हैं।

अक्षय कुमार ने अपने जीवन में माता-पिता के मार्गदर्शन को सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने इच्छा जताई कि मार्शल आर्ट्स को प्रत्येक विद्यार्थी के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

# उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

## नेतन्याहू के खतरनाक प्लान से घबराया अमेरिका, ईरान पर हमले की आशंका



तेलअवीव। इज़राइल में अपनी सत्ता गंवाने की कगार पर खड़े कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ईरान पर बड़े हमले की आशंका बढ़ा दी है, इस आंशका ने अमेरिका को चिंतित कर दिया है। फरवरी में हुए इज़राइल-अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद से भले ही दो माह से सीजफायर है, लेकिन अब नेतन्याहू के जाते-जाते एक खतरनाक योजना को अंजाम देने का डर सता रहा है। अमेरिकी चुनावों में ट्रंप की हार के साथ-साथ नेतन्याहू भी इजराइल में अपना चुनाव हार चुके हैं और अब उनकी सत्ता जाने वाली है।

हालांकि, कार्यकारी प्रधानमंत्री के रूप में विदेश नीति अभी भी उनके हाथों में है। इसके बाद कयास लग रहे हैं कि क्या वह अपनी राजनीतिक विरासत को बचाने या सत्ता में बने रहने के लिए ईरान पर एक बड़ा हमला कर सकते हैं।

इज़राइल के इतिहास में इसतरह के उदाहरण पहले भी देखने को मिले हैं, जब निवर्तमान प्रधानमंत्रियों ने जाते-जाते बड़े सैन्य फैसले लिए हैं। नेतन्याहू ने हाल ही में एक्स पर बड़ा पोस्ट कर ईरान को परमाणु हथियार बनाने वाला देश बताया और इजराइल के लिए एक बड़ा खतरा करार दिया। उन्होंने एक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिसका उद्देश्य ईरान के कथित खतरे का सामना करना था।

## ईरान को हराना असंभव: पूर्व अमेरिकी विदेशी मंत्री ने कबूला सच

वाशिंगटन। दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका और इजराइल कभी ईरान में सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज का ख्वाब देखते थे, लेकिन अब अमेरिकी नेताओं ने असंभव मिशन की सच्चाई कबूल ली है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारत की धरती से चौंकाने वाला बयान देकर कहा कि ईरान को सैन्य रूप से हराने का एकमात्र रास्ता जमीनी हमला है, जो अमेरिका के लिए महाविनाश साबित होगा।

उन्होंने ईरान की विशाल भौगोलिक और सैन्य ताकत का पूरा खाका खींचा। ब्लिंकन के अनुसार, ईरान अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य से चार गुना



और इराक से तीन गुना अधिक विशाल है, इसकी आबादी 9 करोड़ है और होर्मुज स्ट्रेट से लगती हुई इसकी तटरेखा अंतहीन है। पूर्व विदेश मंत्री ब्लिंकन ने चेतावनी दी कि ईरान द्वारा विकसित किए जा रहे खतरनाक हथियार देश के काफी अंदरूनी इलाकों में छिपाकर रखे गए हैं। उनकी मारक क्षमता इतनी ज्यादा है कि सिर्फ हवाई हमलों से उन्हें पूरी तरह तबाह करना असंभव है। इन ठिकानों को खत्म करने के लिए अमेरिकी सेना को जमीन पर उतरना होगा, लेकिन इसकी कीमत अमेरिका कभी चुका नहीं पाएगा। इस पूरे परिदृश्य की सियासी तस्वीर भी कम दिलचस्प नहीं। जहां एक ओर खाड़ी देशों ने सैन्य टकराव से किनारा कर कूटनीतिक रास्ते की वकालत शुरू कर दी है, जिससे अमेरिका इस स्याह दलदल में अकेला और असहाय दिख रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान में सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाले खुद अपने ही देशों में राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं।

## पाली अस्पताल में चूहों के काटने और कुत्ते के घूमने पर चार कर्मचारियों पर गाज गिरी

पाली। राजस्थान के पाली जिले के सरकारी अस्पताल के वार्ड में मरीजों को चूहों द्वारा काटने और एक कुत्ते के खुलेआम घूमने की शिकायतों के बाद, जिला अस्पताल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही के आरोप में चार कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए, वार्ड प्रभारी और नर्सिंग स्टाफ के एक सदस्य को दूसरे वार्ड में स्थानांतरित किया गया है, जबकि एक होमगार्ड जवान और एक हेल्पर को उनकी ड्यूटी से हटाया गया है। यह कार्रवाई सर्जिकल वार्ड-सी में भर्ती मरीजों, मोती सिंह और बाबू खान की पत्नी हसीना बानो, की शिकायतों के बाद



की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि रविवार रात सोते समय चूहों ने उनके पैरों को काट लिया था। तभी अस्पताल के गलियारों में एक कुत्ते के घूमने का वीडियो भी सामने आया, जिसने अस्पताल की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कैलाश परिहार ने बताया कि उन्होंने एक टीम के साथ सर्जिकल वार्ड-सी का निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद वार्ड प्रभारी तसनीम खातून और नर्सिंग स्टाफ के सदस्य रामकेश मीणा को तत्काल प्रभाव से दूसरे वार्ड में तैनात किया गया। परिहार ने पुष्टि की कि लापरवाही के आरोप में एक हेल्पर और एक होमगार्ड जवान को भी उनकी ड्यूटी से हटाया गया है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अस्पताल प्रशासन ने वार्ड के कई स्थानों पर चूहे मारने की दवा रखवाई है और रविवार देर रात तक एक टीम वार्ड की व्यवस्थाओं में सुधार करने में जुटी रही। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आर. बिश्नोई ने बताया कि परिसर में नियमित रूप से कीट नियंत्रण अभियान चलाया जाता है और वार्डों में चूहों की मौजूदगी की पुष्टि होने पर अभियान को और तेज किया जाएगा।

## यूपी 2027: कांग्रेस ने सपा को सौंपी 181 सीटों की सूची, अखिलेश की प्रतिक्रिया

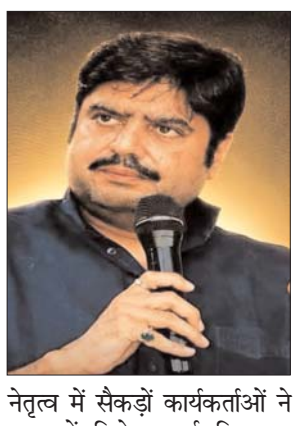
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज़ हो गई है। इसी क्रम में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) को आगामी चुनावों के लिए 181 विधानसभा सीटों की विस्तृत सूची सौंपी है। यह सूची दोनों दलों के बीच सीट-बंटवारे पर चर्चा के लिए भेजी गई है, ताकि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार की जा सके। कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित इन 181 सीटों में से 135 सामान्य सीटें हैं, जबकि 45 सीटें अनुसूचित जातियों (एससी) और एक सीट अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षित है। इस सूची में बागपत,



लोनी, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा ग्रामीण, फतेहपुर सीकरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, शाहाबाद, रायबरेली, अमेठी और कानपुर कैंट जैसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। यह पहल राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को चुनौती देने के लिए इंडिया (इंडिया) गठबंधन की तैयारियों को दिखाता है। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इसकी पुष्टि की है कि कांग्रेस ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। एक कार्यक्रम में अखिलेश से कांग्रेस की सीट संख्या के बारे में पूछा गया, उन्होंने स्पष्ट रूप से 181 सीटों की मांग की ओर इशारा किया, यह कहते हुए कि यह 200 से थोड़ा कम और 180 से एक ज़्यादा है। यादव ने ज़ोर दिया कि राज्य में भाजपा को हराने के लिए इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के चंदे में हुई कथित चोरी आगामी चुनावों में एक बड़ा मुद्दा बनेगी। कुल 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में, जब अखिलेश यादव से बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती के साथ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने साफ़ किया कि जब वह पहले से ही एक गठबंधन का हिस्सा हैं, तब वह अन्य गठबंधनों के बारे में नहीं सोचते।

## एसओपी मौत मामला: कांग्रेस नेता का बयान सेना विरोधी, भाजयुमो ने की माफी मांगने की मांग

जम्मू। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की मौत के मामले में भारतीय सेना पर कथित तौर पर सवाल उठाने पर कांग्रेस नेता तारिक हामिद कर्रा के खिलाफ जम्मू में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजयुमो ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कर्रा से उनके बयान पर माफी की मांग की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अभियान से लौट रहे दोनों एसपीओ को सेना ने गलत पहचान के कारण गोली मार दी थी। भाजयुमो की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष अरुण प्रभात के



नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शहर में विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस विरोधी नारे लिखी तख्तियां ले रखी थीं और कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ नारेबाजी कर कांग्रेस नेता कर्रा का पुतला भी जलाया। उन्होंने सेना पर आरोप लगाने के लिए कर्रा से तुरंत माफी मांगने की मांग की।

भाजयुमो अध्यक्ष प्रभात ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस आतंकवादियों और पाकिस्तान के प्रति बार-बार नरमी दिखाती हैं, जबकि भारतीय सेना को टारगेट करती हैं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का चरित्र है, जिन्होंने हमेशा आतंकवादियों के प्रति नरमी दिखाई है और इतना ही नहीं उनके लिए माफी मांगी है। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष की हालिया टिप्पणी से केंद्रशासित प्रदेश के देशभक्त लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। प्रभात ने कर्रा के बयान को फारूक अब्दुल्ला द्वारा पाकिस्तान की प्रशंसा करने जैसा बताकर कहा कि शहीदों के बलिदान को कमतर दिखाने की यह कथित कोशिश भाजपा और जम्मू-कश्मीर के लोगों में नाराजगी पैदा कर रही है।

इस बीच, कर्रा ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण देकर कहा कि उन्होंने किश्तवाड़ में पार्टी के जिला अध्यक्ष से बात की थी। उनके अनुसार, उन्हें बताया गया कि दोनों एसपीओ शिकार के लिए गए थे और उनके पास बंदूकें थीं। कर्रा ने कहा कि जाते समय वे वारवान और आसपास की सेना की चौकियों से आसानी से गुजर गए, लेकिन लौटते समय सादे कपड़ों में होने के कारण सेना ने उन्हें आतंकवादी समझ कर गोली चला दी। एसपीओ बाबी चंद और रशपाल कुमार के शव गोलियों से छलनी मिले थे। वे एक दिन पहले किश्तवाड़ के ऊपरी इलाके में दच्छन-वारवान मार्ग से गुजरते समय लापता हो गए थे और उनके मोबाइल फोन बंद थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अब तक उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

## ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

### भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में



अहम भूमिका निभाई। समिति की सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है।

## वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा: अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

### यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था।

## चक्रवाती तूफान का खतरा: ओडिशा में लोगों को निकालने के आदेश

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरे दबाव के क्षेत्र के और तीव्र होने की संभावना के बीच, ओडिशा सरकार ने दक्षिणी क्षेत्र के जिला प्रशासनों को संवेदनशील इलाकों से लोगों को तुरंत सुरक्षित निकालने का निर्देश दिया है। जिला अधिकारियों ने बताया कि यह मौसम प्रणाली 19 नवंबर की रात तक आंध्र प्रदेश तट पर पहुंचने से पहले एक अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकती है। राज्य में बड़े चक्रवाती तूफान के खतरे को देखकर प्रशासन अलर्ट पर है। जिला प्रशासनों को विशेष रूप से



भूस्खलन की आशंका वाले और निचले इलाकों की पहचान करने और भारी बारिश से पहले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया गया है। गंजाम के जिलाधिकारी कीर्ति वासन वी ने पुष्टि की कि उनके जिले में पहाड़ी और निचले इलाकों की पहचान की गई है, और लोगों को स्थानांतरित करने के लिए कर्मी तथा मशीनें तैयार हैं। उन्होंने बताया कि गंजाम पहले ही तीन सप्ताह में अर्नब और मुरासु नाम के दो चक्रवातों का सामना कर चुका है, और अब तीसरी मौसम प्रणाली का खतरा मंडरा रहा है। इस बार प्रशासन का मुख्य ध्यान भूस्खलन के कारण होने वाली जनहानि को रोकने पर है। पिछले अर्नब चक्रवात के दौरान, ओडिशा में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें से 10 जानें गंजाम और कंधमाल जिलों में भूस्खलन के कारण गई थीं।

छह अन्य लोग लापता भी हुए थे, जिससे इस बार भूस्खलन के प्रति विशेष सतर्कता बरती जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव का क्षेत्र सोमवार सुबह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। इसके 16 नवंबर की शाम तक एक चक्रवाती तूफान और 17 नवंबर की शाम तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान है। इस प्रणाली के प्रभाव से ओडिशा में 17 नवंबर की शाम से बारिश शुरू होने की संभावना है। राज्य में 18 नवंबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने का अनुमान है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर तक कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

# 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' अभियान: टनकपुर में सघन वाहन चेकिंग, नियम तोड़ने वालों के चालान

बिना हेलमेट वाले आधा दर्जन दोपहिया चालकों का चालान कर टीम ने भेंट किए हेलमेट

स्कूली बसों, वैन, कैब और यात्री बसों के दस्तावेज और सुरक्षा उपकरण जांचे



के.के.पी संवाददाता

**टनकपुर।** उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर चल रहे विशेष साप्ताहिक जागरूकता अभियान 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' के तहत सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम के साथ तहसील पूर्णागिरि के टनकपुर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान पिथौरागढ़ चुंगी, पीलीभीत चुंगी और टनकपुर-सितारगंज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्कूली बसों, वैन, कैब, दोपहिया वाहनों और यात्री बसों की जांच की गई। टीम ने वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, पंजीकरण प्रमाण पत्र, चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, अग्निशमन यंत्र व प्राथमिक उपचार पेटी जैसे सुरक्षा उपकरण और निर्धारित यात्री क्षमता के पालन की जांच की। दस्तावेजों की कमी या नियमों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार चालान किए गए और वाहन चालकों व स्वामियों को सभी दस्तावेज पूरे रखने तथा यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर भी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। इस दौरान एक सराहनीय पहल करते हुए टीम ने अपनी यात्रा को जोखिम में डालकर बिना हेलमेट चल रहे आधा दर्जन दोपहिया चालकों का चालान करने के बाद उन्हें प्रेरणा स्वरूप हेलमेट भी उपलब्ध कराए, ताकि वे आगे सुरक्षित यात्रा कर सकें। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना, स्कूली बच्चों की सुरक्षा और सुरक्षित व जिम्मेदार वाहन संचालन को बढ़ावा देना है। सचिव ने सड़क पर अराजकता फैलाने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने और सुचारु यातायात में बाधा डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए।

# भाजपा में 20 साल पूरे होने पर पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल ने निकाली रैली, टिकट की दावेदारी की मजबूत

रामलीला मैदान में गिनाईं दस साल की उपलब्धियां, कांग्रेस विधायक पर साधा निशाना

रैली में मंडल अध्यक्ष मौजूद, जिला पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी रही चर्चा में



के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में टिकट के दावेदारों की सक्रियता तेज हो गई है। पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल ने भाजपा में शामिल होने के 20 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को लोहाघाट नगर में रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। रामलीला मैदान में पूर्व ब्लॉक प्रमुख रूप सिंह बोरा की अध्यक्षता और शांभवी मुरारी, नवीन बोरा व हरीश मुरारी के संचालन में सभा हुई।

सभा को संबोधित करते हुए फर्त्याल ने विधायक के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में लोहाघाट को नगर पालिका का दर्जा मिला, चिकित्सालय को उप जिला चिकित्सालय बनाया गया, स्टेडियम का निर्माण हुआ, सड़कों का जाल फैला और कोलीढेक झील का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे हमेशा आम लोगों के बीच रहे।

फर्त्याल ने कांग्रेस विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उपलब्धियों का पिटारा सौंपा था, लेकिन वर्तमान विधायक न तो जनसंपर्क कर पाए और न ही लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरे। उन्होंने विधायक निधि के दुरुपयोग सहित कई आरोप भी लगाए। लोहाघाट सीट से अपनी दावेदारी जताते हुए उन्होंने दावा किया कि वही आम लोगों के हित में काम कर सकते हैं।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश करायत, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र ढेक, पाटी नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण लाल, राजेश बिष्ट, सुमित और सभी मंडलों के अध्यक्ष मौजूद रहे। रैली में लोग भाजपा के झंडे और भगवा टोपी लेकर पहुंचे, हालांकि पार्टी के जिला पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।

# दूध के दाम को लेकर पशुपालकों का बड़ा फैसला, 25 नवंबर को दुग्ध संघ में करेंगे तालाबंदी

सुई में संघर्ष समिति की बैठक में 150 पशुपालकों ने लिया सर्वसम्मत निर्णय

गाय के दूध का दाम 61 और भैंस का 71 रुपये प्रति किलो करने की मांग



के.के.पी संवाददाता

**लोहाघाट।** दूध का उचित दाम न मिलने और बढ़ती लागत से परेशान पशुपालकों ने अब आंदोलन का ऐलान कर दिया है। सुई स्थित आदित्य महादेव मंदिर में हुई गौपालक/पशुपालक संघर्ष समिति की बैठक में लगभग 150 पशुपालकों ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि 25 नवंबर को आंचल दुग्ध संघ चम्पावत में तालाबंदी की जाएगी। समिति ने कहा कि मांगें माने जाने तक आंदोलन जारी रहेगा।

बैठक में महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग सभी वर्गों के पशुपालक शामिल हुए और उन्होंने खुलकर अपनी पीड़ा रखी। पशुपालकों ने कहा कि चारा और दवाइयां महंगी हो गई हैं और दूध का दाम नहीं बढ़ा तो गाय-भैंस पालना छोड़ना पड़ेगा। सरकार की उदासीनता को लेकर पशुपालकों में भारी आक्रोश दिखा। समिति की प्रमुख मांगों में हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों की तर्ज पर गाय के दूध का खरीद मूल्य 61 रुपये और भैंस के दूध का 71 रुपये प्रति किलो करना शामिल है। पशुपालकों का कहना है कि मौजूदा दाम पर लागत भी नहीं निकल पा रही। इसके अलावा पशु आहार और साइलेज पर 75 प्रतिशत सब्सिडी देने और प्रोत्साहन राशि 50 पैसे से बढ़ाकर 2 रुपये प्रति किलो करने की मांग की गई है।

पशुपालकों ने कहा कि वे सुबह चार बजे उठकर मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें मेहनत का पूरा दाम नहीं मिलता। उनका सवाल है कि अगर हिमाचल में 61 रुपये दिए जा सकते हैं, तो चम्पावत के पशुपालकों को क्यों नहीं।

समिति ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने हक के लिए है। 25 नवंबर की तालाबंदी शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक होगी। समिति ने जिले के सभी पशुपालकों से उस दिन अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध संघ चम्पावत पहुंचने की अपील की है।

# जनता मिलन में पहुंचीं 57 शिकायतें, सीडीओ ने दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

सोलर लाइट, घेरबाड़, आवास और पेयजल से जुड़ी समस्याएं रहीं प्रमुख

मौके पर ही बनाए गए लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड



के.के.पी संवाददाता

**चम्पावत।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर सोमवार को जिला सभागार में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अजय सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए।

कार्यक्रम में सोलर लाइट लगाने, फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ व चेनलिंक फेंसिंग, सुरक्षा दीवार निर्माण और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने से संबंधित आवेदन आए। इसके अलावा लोगों ने आर्थिक सहायता, राशन कार्ड, पशुपालन, सड़क और पेयजल से जुड़े मामले भी उठाए। नवीन राम, कलावती देवी, ललित सिंह राणा, आकाश सार्की, शकुंतला देवी, भीम सिंह महर, राम सिंह, रूप सिंह कठायत और कुसुम जोशी सहित कई लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को हर आवेदन पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करते हुए नियमानुसार समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित के मामलों में प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए और अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के पात्र लोगों तक योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड मौके पर ही बनाए गए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी के.एन. गोस्वामी, एपीडी विम्मी जोशी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी दीप्तिकीर्ति तिवारी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशासी अभियंता विभोर गुप्ता, जिला पूर्ति अधिकारी प्रियंका भट्ट, यूयूएसडीए के परियोजना प्रबंधक अंकित आर्य, जिला उद्यान अधिकारी योगेश भट्ट ।

# जनपद वासियों की समस्याओं को त्वरित निस्तारण के उदेश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जा रहा है जन सुनवाई कार्यक्रम

जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित 30 समस्याएं/ शिकायतें दर्ज की गई,जिसमें मौके पर 18 समस्याओं का किया गया निस्तारण तथा शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु किया गया प्रेषित




के.के.पी संवाददाता

**हरिद्वार।** जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 30 शिकायते दर्ज कराई गई,जिसमें से 18 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, अतिक्रमण, जल भराव, पेयजल,राशन कार्ड आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायतकर्ता अर्जुन पुत्र धर्म सिंह निवास रावली महदूद ने अपनी माता जी चांदो देवी के मेडिकल बिल ईएसआईसी डिस्पेंसरी गोविंदपुरी हरिद्वार वाले जमा नहीं कर रहे है,मेडिकल के बिल जमा करवाने के को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।प्रार्थी मांगे पुत्र छोटे एवं राजवीर पुत्र छजमल एवं सोमपाल पुत्र गंगाराम, निवासी ग्राम गंगदासपुर तहसील लक्सर जनपद हरिद्वार को बाढग्रस्त होने के कारण ग्राम फेरूपुर कठिया तहसील ज्वालापुर जनपद में हरिद्वार में विस्थापित किया गया था,परन्तु गाँव के कुछ दबंग व्यक्ति उन प्लाटो को कब्जाने के प्रयास में है। सभी प्रार्थीयो ने प्लाटो की पैमाईश उपराजस्व निरीक्षक से करवाए जाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता चमन चौहान निवासी सलेमपुर महदूद ने ग्राम सलेमपुर महदूद होलीका दहन स्थल एव विद्यालय के पास खुली मीट की अवैध दुकानों को बंद करवाने एवं सलेमपुर में प्राथमिक विद्यालय व राजकीय इंटर कॉलेज के बहार डाले जा रहे कूड़े साहित गांव में विभिन्न स्थानों पर कूड़े की समस्या के जल्द निस्तारण करने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थी समता सिंह ने नया हरिद्वार कालोनी में अतिक्रमण हटवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता पंकज राणा ने सलेमपुर महदूद सिद्धिविनायक कॉलोनी फेस -2 में सरकारी चकरोड,जिसका खसरा नंबर 1772 पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा किया हुआ है,प्रार्थी ने अवैध कब्जे को हटवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया । जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे,इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनसुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों द्वारा जो भी समस्या दर्ज कराई जा रही है,उनका संबंधित अधिकारी शीर्ष प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करना सुनाश्चित करे। बैठक मे मुख्य विकास अधिकारी डॉ लालित नारायण मिश्र,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव गुप्ता, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह,जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी,अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत महेश बिशनोई,महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र उत्तम कुमार तिवारी,जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल ,जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, अधिशासी अभियंता यूपीसीएल दीपक सैनी सहित वर्चुअल माध्यम से भी जिला स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

# कुंभ से पहले संवाद से सुलझाएंगे अखाड़ों के विवाद: श्रीमहंत डॉ रविंद्र पुरी

13 अखाड़ों की एकता के बाद अब आंतरिक मतभेद भी होंगे दूर : म.म.स्वामी करौली शंकर

नया, बड़ा और निर्मल अखाड़े में चल रही गुटबाजी खत्म करने की कवायद तेज, संतों को एक मंच पर लाने की पहल में म.मं. स्वामी करोली शंकर निभा रहे हैं महत्वपूर्ण भूमिका



के.के.पी संवाददाता

**हरिद्वार।** कुंभ के शंखनाद से पहले अखाड़ों के भीतर चल रही गुटबाजी को खत्म करने की पहल तेज हो गई है। 13 अखाड़ों को एक मंच पर लाने के बाद अब अखाड़ा परिषद ने अखाड़ों के आंतरिक विवादों को संवाद के जरिए सुलझाने की कवायद शुरू कर दी है। नया अखाड़ा, बड़ा अखाड़ा और निर्मल अखाड़े में अलग-अलग मुद्दों को लेकर चल रही खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत डॉ रविंद्रपुरी महाराज और राष्ट्रीय मीडिया संयोजक महामंडलेश्वर करौली शंकर महाराज ने संभाली है। दोनों संतों का कहना है कि कुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन से पहले संत समाज का एकजुट होना बेहद जरूरी है। मिश्री मठ पहुंचने पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत डॉ रविंद्र पुरी का राष्ट्रीय मीडिया संयोजक महामंडलेश्वर करौली शंकर महाराज ने शॉल और रुद्राक्ष की माला पहनाकर किया भव्य स्वागत। सोमवार को उत्तरी हरिद्वार स्थित मिश्री मठ में श्रीमहंत डॉ रविंद्रपुरी महाराज ने महामंडलेश्वर करौली शंकर महाराज से मुलाकात की। इस दौरान अखाड़ों में चल रहे आंतरिक विवादों और कुंभ की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। दोनों संतों ने माना कि अखाड़ों के बीच किसी भी तरह का मतभेद कुंभ की व्यवस्थाओं और संत समाज की एकजुटता के लिए उचित नहीं है।

ऐसे में सभी पक्षों से बातचीत कर आपसी सहमति से विवादों का समाधान निकालने पर जोर दिया गया। श्रीमहंत डॉ रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि नया अखाड़ा, बड़ा अखाड़ा और निर्मल अखाड़े में लंबे समय से अलग-अलग मुद्दों को लेकर गुटबाजी की स्थिति बनी हुई है।

# जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की

जनगणना-2027 को सफल बनाने के लिए आज से शुरू हुई स्वगणना प्रक्रिया, जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्वगणना करने के दिए निर्देश

जिला योजना के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि को शीघ्रता से शीघ्र शत-प्रतिशत व्यय करने के दिए निर्देश

20 सूत्रीय कार्यक्रम में डी एवं सी श्रेणी में संचालित विभाग अपनी प्रगति में सुधार कर ए श्रेणी में आने के लिए करें प्रभावी प्रयास




के.के.पी संवाददाता

**हरिद्वार।** जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, जिला योजना के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों तथा मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़ी योजनाओं एवं विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए।

बैठक में जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि आज से स्वगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वयं स्वगणना करने तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं आमजन को भी स्वगणना के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सभी अधिकारी इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करें। जिला योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों को स्वीकृत धनराशि का शीघ्रता से शीघ्र शत-प्रतिशत व्यय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप जनहित के विकास कार्यों में किया जाए। जिन विभागों द्वारा अभी तक अपेक्षित प्रगति नहीं की गई है, वे कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य समय से पूर्ण करें। 20 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने डी एवं सी श्रेणी में संचालित विभागों को अपनी कार्यप्रणाली एवं प्रगति में सुधार लाते हुए ए श्रेणी में आने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करें तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

# मतदाताओं को जागरूकता करने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के प्रति मतदाताओं को किया जाएगा जागरूक

जागरूकता वाहन जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों के गांवों, कस्बों एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर मतदाताओं को करेंगे जागरूक



के.के.पी संवाददाता

**हरिद्वार।** आगामी विधानसभा निर्वाचन में निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कलेक्ट्रेट परिसर से मतदाता जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में संचालित इस जागरूकता अभियान के तहत जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों में जागरूकता वाहन भ्रमण करेंगे। यह वाहन गांवों, कस्बों एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की कार्यप्रणाली,मतदान प्रक्रिया तथा इनके उपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी देंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के मन में मतदान प्रक्रिया को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति या संशय को दूर करना, उन्हें ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के प्रति जागरूक करना तथा आगामी विधानसभा निर्वाचन में निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जागरूकता अभियान को जनपद के प्रत्येक क्षेत्र तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग मतदान प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र,अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह,सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरुणेश पैन्यूली सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# UP में 55 PCS अधिकारियों के तबादले, वेद प्रकाश हापुड़ और राजेश मिश्रा उन्नाव के DM बने, मेरठ-नोएडा-LDA के सचिव भी बदले

लखनऊः उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होनें हैं. हालांकि, अभी चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन इससे पहले ही सरकारी अधिकारियों के तबादले बड़े स्तर पर शुरू हो गए हैं. बीती रात योगी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 55 पीसीएस (प्रांतीय सिविल सेवा) अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं. इनमें अपर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी और नगर निकायों में तैनात अधिकारी शामिल हैं. वेद प्रकाश मिश्रा को सचिव, वाराणसी विकास प्राधिकरण से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), हापुड़ नियुक्त किया गया है. वहीं, अयोध्या विकास प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार मिश्रा को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उन्नाव शिफ्ट किया गया है.

यूपी के कई महत्वपूर्ण जिलों जैसे अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ, गाजियाबाद नए एडीएम और एसडीएम तैनात किए गए हैं, जबकि विकास प्राधिकरणों में भी सचिव स्तर के अधिकारियों की अदला-बदली की गई है. लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के सचिव सुशील प्रताप सिंह को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण भेजा गया है. उनके स्थान पर अतुल कुमार को एलडीए सचिव बनाया गया है. गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार मिश्रा को वाराणसी विकास प्राधिकरण भेजा गया है.

**कौन अधिकारी कहां भेजा गया**

विवेक कुमार यादवः अपर आयुक्त, वाराणसी मंडल से अपर आयुक्त, आगरा मंडल.माधव उपाध्यायः उपजिलाधिकारी, मुरादाबाद से उपजिलाधिकारी, हरदोई.चंद्र प्रकाश पांडेयः सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम झांसी से उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात.नरेंद्र सिंह यादव : उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात से सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम झांसी.ज्योत्सना : उपजिलाधिकारी, जौनपुर से उपजिलाधिकारी, हापुड़.रमेश चंद्र पांडेय : उपजिलाधिकारी, हापुड़ से उपजिलाधिकारी, जौनपुर.देवेंद्र सिंह : अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), कन्नौज से अपर जिलाधिकारी (नगर), ट्रांस गोमती, लखनऊ.रतन : अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), चंदौली से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), कन्नौज.राज कुमार मित्तल : अपर जिलाधिकारी (नगर), ट्रांस गोमती, लखनऊ से अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), चंदौली.अतुल कुमार सिंह : उपजिलाधिकारी, शाहजहांपुर से उपजिलाधिकारी, बलिया.संजय चावला : अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), झांसी से महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ.अशोक कुमार गुप्ता : महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ से अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), झांसी.प्रिंस वर्मा : उपजिलाधिकारी, मुरादाबाद से उपजिलाधिकारी, सहारनपुर.कृष्ण राज सिंह : उपजिलाधिकारी, सहारनपुर से उपजिलाधिकारी, मुरादाबाद.अमरपाल सिंह : अपर आयुक्त, चित्रकूटधाम मंडल से अपर आयुक्त, सहारनपुर मंडल.विवेक कुमार मिश्रा : सचिव, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से सचिव, वाराणसी विकास प्राधिकरण.सुशील प्रताप सिंह : सचिव, लखनऊ विकास प्राधिकरण से सचिव, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण.अतुल कुमार : कुलसचिव, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, अपर निदेशक संस्कृति तथा संयुक्त निदेशक (प्रशासन), नागरिक उड्डयन निदेशालय से सचिव, लखनऊ विकास प्राधिकरण.वेद प्रकाश मिश्रा : सचिव, वाराणसी विकास प्राधिकरण से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), हापुड़.पंकज कुमार : अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मेरठ से अपर आयुक्त, चित्रकूटधाम मंडल.बृजेश कुमार सिंह : सचिव, मेरठ विकास प्राधिकरण से विशेष कार्याधिकारी, नोएडा.क्रांति शेखर सिंह : विशेष कार्याधिकारी, नोएडा से विशेष कार्याधिकारी, दादरी-नोएडा-गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (नोएडा), बुलंदशहर.ज्ञान चंद्र गुप्ता : अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), बस्ती से संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अयोध्या तीर्थ विकास परिषद.सुंदुंदु सुधाकरन : अपर आयुक्त, वाराणसी मंडल से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), बस्ती.पंकज कुमार श्रीवास्तव : अपर नगर आयुक्त, नगर निगम लखनऊ से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), संतकबीरनगर.ऋषिकांत राजवंशी : उपजिलाधिकारी, बलिया से अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), बांदा.सत्य प्रकाश-3 : अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), संतकबीरनगर से महाप्रबंधक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ.माया शंकर यादव : अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), बांदा से अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मेरठ.अखिलेश : अपर आयुक्त, अलीगढ़ मंडल से अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मुरादाबाद.शशि भूषण : अपर आयुक्त, मुरादाबाद मंडल से अपर आयुक्त, अलीगढ़ मंडल.

# दिल्ली, यूपी से बिहार तक छठ पूजा की धूम, पीएम मोदी ने भी दी शुभकामनाएं



नई दिल्ली। देशभर में महापर्व छठ धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है. छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि यानी शुक्रवार से हुई और इसका समापन सप्तमी तिथि यानी आज 16 नवंबर सोमवार को होगा. छठ के मौके पर महिलाएं-पुरुष परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना के साथ कठिन व्रत रखते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 16 नवंबर से फिलीपींस की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहे हैं. इस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. इन सम्मेलनों की मेजबानी फिलीपींस कर रहा है, जो 2026 के लिए आसियान का अध्यक्ष है. राष्ट्रीय राजधानी और इसके आस-पास इलाकों में हवा में जहर फैला हुआ है. घने स्मॉग की चादर में लिपटी हुई है. रविवार को राजधानी के 24 घंटे के औसत एक्यूआई में 77 अंकों का सुधार दर्ज किया गया. हवा की तेज स्पीड और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से प्रदूषक तत्व फैल गए, जिससे AQI 'बहुत खराब' श्रेणी से सुधरकर 'खराब' श्रेणी में आ गया. हालांकि, जानकारों का मानना है कि यह राहत कुछ ही वक्त के लिए है और आने वाले दिनों में AQI के फिर से 'बहुत खराब' श्रेणी में चले जाने की आशंका है.

# सपा के विधायक वाली सीटों पर भी कांग्रेस ने ठोका दावा, 180 सीटों की लिस्ट में क्या-क्या डिमांड

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और सपा में सीट बंटवारे के लिए रस्साकशी का दौर जारी है. सपा और कांग्रेस की मंगलवार को इसके लिए मीटिंग भी होने वाली थी, जिसके अब टलने के आसार हैं. जानकारी मिल रही है कि दोनों दलों के बीच अब भी कुछ बातों को लेकर स्पष्टता नहीं है. कांग्रेस नेताओं ने कल बैठक का दावा किया है, लेकिन समाजवादी पार्टी कल की बैठक की पुष्टि नहीं कर रही. इस बीच सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस ने जिन 181 सीटों की मांग सपा से रखी है, उनमें से कई सीटों पर



समाजवादी पार्टी के विधायक हैं. इनमें रायबरेली जिले की भी कई सीटें शामिल हैं. कांग्रेस भले ही यहां अपना गढ़ मानती है, लेकिन सपा भी काफी मजबूत है.

यूपी के लिए कांग्रेस की 181 सीटों की मांग वाली सूची एनडीटीवी के पास है. 20 अक्तूबर को कांग्रेस ने 181 सीटों की सूची समाजवादी पार्टी को भेजी थी. सूत्रों के मुताबिक शुरुआती तौर पर 115 सीटों की सूची तैयार की थी जो बाद में बढ़ कर 181 की हो गई. इनमें सामान्य सीटें 135, एससी सीटें 45, एसटी सीट 1 है. कई ऐसी सीटें हैं जिनपर समाजवादी पार्टी के विधायक हैं. इसके बाद सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं की कल बैठक होनी थी लेकिन सूत्रों के मुताबिक दोनों दलों के बीच कुछ बातों को लेकर स्पष्टता नहीं है. ऐसे में कल की बैठक को लेकर स्थिति आज शाम तक साफ़ होने

# अमित शाह ने अजित पवार की जमकर की तारीफ, 'महायुति में आने से...', उद्धव ठाकरे पर तंज

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में जिला परिषद कार्यालय में पूर्व उपमुख्यमंत्री और एनसीपी नेता दिवंगत अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि अजित पवार के निधन से पैदा हुई कमी लंबे समय तक पूरी नहीं हो सकेगी. राजनीतिक बातचीत में अजित पवार हमेशा स्पष्ट और बेबाक रहे.

अमित शाह ने कहा, ''महाराष्ट्र में महायुति में अजित पवार के आने से सत्तारूढ़ गठबंधन स्थिर हुआ है.जब महायुति में जुड़े तब मैंने सवाल



उठाया था, तो उन्होंने कहा था कि देश का विकास और महायुति अलग नहीं हो सकता.

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि कोविड-19 के दौरान महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) से संपर्क नहीं हो पाता था, लेकिन अजित पवार सुबह 7 बजे से सचिवालय में फोन पर उपलब्ध रहते थे. लोगों के प्रति इतना लगाव बहुत कम लोगों में देखने को मिलता है.

अमित शाह ने कहा, ''दादा का जाना मेरे व्यक्तिगत जीवन में भी एक अपूर्णीय क्षति है क्योंकि दादा मेरे अंतरंग मित्र ही नहीं थे मेरे साथी भी थे. आज भी विश्वास नहीं होता की दादा हमारे साथ नहीं हैं. हमेशा हसमूख चेहरा नजर के सामने रहता है. पॉलिटिकल नेगोशिएशन में मैंने दादा को हमेशा स्पष्ट पाया, जवाब हां में होता था या ना में होता था. स्पष्टता वादी थे, हो सके तो हां, नहीं हो सके तो ना. बहुत कम लोगों में ये साहस होता है.

गृह मंत्री ने पुराना प्रसंग याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार कहा कि शुगर मिलों पर दो बार इनकम टैक्स लगता है. कोई भरता नहीं था मगर इनकम टैक्स की नोटिसें पेंडिंग थीं. मुझे कहा उन्होंने कि प्रणव मुखर्जी फाइनेंस मिनिस्टर थे, तब से हम इसके पीछे पड़े हैं. मगर रास्ता नहीं निकलता है. मैंने प्रश्न को समझे, समझने के बाद दादा को कहा था कि दादा ये हो सकता है, हो जाएगा.

# श्री रामराजा मंदिर ओरछा का खजाना सुरक्षित है? बीजेपी नेताओं का प्रदर्शन, दिग्विजय सिंह ने दी आंदोलन की धमकी

जयपुर। मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थित प्रसिद्ध श्री रामराजा सरकार मंदिर के शाही खजाने की चर्चा इन दिनों सबसे ज्यादा हो रही है. आरोप है कि 2 नवंबर के दिन नियमों को दरकिनार कर चुपके से मंदिर के खजाने के पुराने ताले काट दिए गए थे, जहां करीब 3 घंटे तक मंदिर का खजाना खुला रहा था. 12 दिन बाद जब यह मामला चर्चा में आया तो हड़कंप मच गया. इस मामले ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है. कांग्रेस के सीनियर नेता और एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने इस मामले में आंदोलन की धमकी दी है. जबकि



बीजेपी भी इस मुद्दे पर मुखर है. इस बीच निवाड़ी जिले के कलेक्टर ने इस मामले में सफाई देते हुए कहा कि खजाने के ताले तोड़ने की खबर पूरी तरह से भ्रामक है. ऐसा कुछ नहीं हुआ है. इस मामले की जांच के लिए 6 सदस्यों की एक कमेटी का गठन भी किया गया है.

दरअसल, ओरछा के श्री रामराजा सरकार मंदिर के खजाने से जुड़ा यह विवाद 2 नवंबर का है. कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि इस दिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक मंदिर के खजाने के पुराने ताले गुपचुप तरीके से काटकर नए ताले लगाए गए और अंदर कार्रवाई की गई. इस दौरान न तो जनप्रतिनिधियों को सूचना दी गई और न ही सार्वजनिक सूचना जारी की गई. स्थानीय लोगों ने निवाड़ी कलेक्टर श्रीमति जमुना भिड़े को पत्र सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की थी. शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मंदिर का शाही खजाना खोलने के नियम तय हैं, इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है और खोलने के समय कलेक्टर, स्थानीय विधायक, सांसद, प्रशासन के अधिकारी और जौहरी मौजूद रहते हैं. उनका तर्क है कि साल 2007 में जनप्रतिनिधियों के न होने पर खजाना खोलने की प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी, फिर इस बार बिना किसी जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में ताले कैसे काटे गए? निवाड़ी विधायक अनिल जैन ने भी स्पष्ट कहा है कि 2 नवंबर को मंदिर का खजाना खोलने के संबंध में उन्हें कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है. इस मामले में कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह भी एक्टिव हो गए. उन्होंने फेसबुक पोस्ट करके आंदोलन की धमकी दी है.

# भारत की अर्थव्यवस्था भरेगी उड़ान, चीन रह जाएगा पीछे! 2027 के लिए गोल्डमैन सैश ने बताया ग्रोथ रेट

नई दिल्लीः भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार आने वाले साल में भी दुनिया के बड़े देशों के मुकाबले तेज रहने की उम्मीद है. वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैश (Goldman Sachs) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ सकती है. वहीं, चीन की ग्रोथ रेट 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है यानी आर्थिक विकास की रफ्तार के मामले में भारत अगले साल भी चीन से आगे रह सकता है.

रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.9 फीसदी रहने की उम्मीद है.




इसके मुकाबले चीन की विकास दर 4.4 फीसदी रह सकती है. वहीं, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में 2.3 फीसदी और 2027 में 2.4 फीसदी की दर से बढ़ सकती है.

गोल्डमैन सैश की रिपोर्ट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को ग्लोबल इकोनॉमी की ग्रोथ का बड़ा कारण बताया गया है. अनुमान है कि 2027 में दुनिया भर में एआई पर होने वाला खर्च बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा जबकि 2026 में यह करीब 1.1 ट्रिलियन डॉलर रहने का अनुमान है.

# अमेरिकी सरकार ने पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में निखिल गुप्ता के लिए 24 साल सजा की मांग की

नई दिल्ली। सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में अमेरिकी सरकार भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल जेल की सजा देने की मांग कर रही है. गुप्ता (55) ने इस साल की शुरुआत में न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या के प्रयासों के संबंध में सुपारी देने और धनशोधन की साजिश रचने के आरोपों को स्वीकार कर लिया था. गुप्ता को 20 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी. हालांकि, उनके वकीलों ने 12 साल की कैद और उसके बाद तीन साल तक निगरानी में रिहा रखने का अनुरोध करते हुए कहा है कि सजा में ''काफी कमी'' की जानी चाहिए.



अमेरिकी सरकार ने कहा, ''वह अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की विदेशी साजिश में अहम भागीदार था. अदालत को ऐसा फैसला सुनाना चाहिए, जो अपराध की गंभीरता को दर्शाए और यह संदेश दे कि इस देश में आवाजों को हिंसा के जरिए दबाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इन कारणों और ऊपर बताए गए अन्य सभी कारणों से सरकार अदालत से 293 महीने की सजा देने का अनुरोध करती है.''गुप्ता के वकीलों ने कहा है कि परिवीक्षा अधिकारी की सिफारिश उस अधिकारी के सोच-समझकर लिये गए फैसले को दर्शाती है, जिसने गुप्ता से पूछताछ की थी, जांच से जुड़े सभी रिकॉर्ड की समीक्षा की और कानून के तहत निर्धारित सभी पहलुओं पर विचार किया. गुप्ता के वकीलों ने कहा, ''इसमें इस बात को ध्यान में रखा गया है कि गुप्ता का पहले किसी भी तरह का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं रहा है, अपराध के समय वह शराब की लत से पीड़ित था, जिसका इलाज नहीं हुआ था और 55-वर्षीय व्यक्ति के लिए लंबी अवधि की कोई भी सजा उचित नहीं होगी.'' उन्होंने कहा कि गुप्ता ने अपने कृत्य की गंभीरता को कमतर करके पेश नहीं किया.

# कहीं सफेद झाग, कहीं क्लीन घाट...छठ पर BJP और AAP ने दिखाई अपनी-अपनी यमुना!

नई दिल्ली। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान यमुना में कथित तौर दिखे सफेद झाग को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी के बीच तीखा सियासी घमासान छिड़ गया है. AAP द्वारा यमुना की सफाई को लेकर BJP सरकार पर सवाल उठाने के बाद सत्तारूढ़ BJP ने पलटवार करते हुए कहा कि AAP सरकार के समय यमुना घाटों पर छठ पूजा तक प्रतिबंधित कर दी गई थी, जबकि अब 1400 से ज्यादा घाटों पर भव्य आयोजन हो रहा है. BJP सांसद मनोज तिवारी और मंत्री कपिल मिश्रा ने विपक्ष पर श्रद्धा के पर्व



पर राजनीति करने का आरोप लगाया है. विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर यमुना में सफेद झाग की मोटी परतों के बीच खड़े श्रद्धालुओं के वीडियो साझा कर की थी. BJP सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इस बार छठ पूजा के लिए बेहतरीन इंतजाम किए गए हैं और श्रद्धालु व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं. उन्होंने कहा कि दो साल पहले हालात बिल्कुल अलग थे और यमुना घाटों पर छठ पूजा तक पर रोक लगा दी गई थी. तिवारी ने आरोप लगाया कि AAP और कांग्रेस कालिंदी कुंज घाट की तस्वीरों और वीडियो के जरिए 'शर्मनाक राजनीति' कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि AAP शासन के दौरान लोग छठ मनाने के लिए परेशान रहते थे, जबकि आज लोग व्यवस्थाओं से खुश हैं.

# दिल्ली से देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश का सफर होगा तेज, फलौदा-भूराहेड़ी में बन रहे 2 फ्लाईओवर

नई दिल्ली। दिल्ली से देहरादून जाने वाले नेशनल हाईवे पर आपकी गाड़ियां अब और रफ्तार पकड़ती हुई नजर आएगी. क्योंकि इस एक्सप्रेसवे के रूट पर मुजफ्फरनगर जिले में फलौदा और भूराहेड़ी चेक पोस्ट पर बन रहे दोनों फ्लाईओवर जल्द ही शुरू होने वाले हैं. जिससे न केवल 20 गांवों को भारी ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी, बल्कि दिल्ली से मुजफ्फरनगर और देहरादून का सफर भी तेज होने वाला है. साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश और उसके आगे चारधाम की यात्रा करने वालों के समय में भी यह दोनों फ्लाईओवर बचत कराएंगे. क्योंकि वाहनों को ट्रैफिक का सामना नहीं करना होगा. जिससे उनकी यात्रा आसान होगी. दिल्ली-देहरादून हाईवे पर उत्तराखंड सीमा के बाद भूराहेड़ी पहला गांव है, यानी उत्तराखंड से यूपी में घुसते ही सबसे पहले भूराहेड़ी चेक पोस्ट पड़ता है. यहां से कुछ ही दूरी आपको फलौदा मिलेगा. दोनों ही प्वाइंट संवेदनशील माने जाते हैं. यहां वाहनों की रफ्तार ज्यादा होती है. योजना के तहत, इन दो प्रमुख बिंदुओं को एलिवेटेड स्ट्रक्चर से जोड़ा जा रहा है ताकि मुख्य हाईवे का ट्रैफिक बाधित न हो और स्थानीय ग्रामीण बिना किसी जोखिम के अपनी यात्रा पूरी कर सकें. फलौदा-भूराहेड़ी पर फ्लाईओवर बनने से यहां के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा मिलने वाला है. फिलहाल दोनों फ्लाईओवर पर काम अब आखरी चरण में बना हुआ है. एनएचएआई के प्रोजेक्ट इंजीनियरों के मुताबिक हरिद्वार कुंभ से पहले हाईवे के गड्ढों को भरवाकर दुरुस्त कराया जा रहा है. फ्लाईओवर का निर्माण भी तेज गति से किया जा रहा है और इसे जल्द पूरा करा लिया जाएगा. मुजफ्फरनगर जिले में बनने वाले इन दोनों फ्लाईओवर का सीधा फायदा पुरकाजी ब्लॉक के 20 से ज्यादा गांवों को मिलेगा. यहां की बड़ी आबादी हर दिन हाईवे पार करती है. गन्ना सीजन में तो यहां ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लग जाती है, फ्लाईओवर बनने से किसानों को गन्ना मिल तक पहुंचाने में भी आसानी होगी और समय की बचत होगी. इसके साथ ही पुरकाजी के व्यापारी, छात्र और नौकरीपेशा लोगों को भी रोज के जाम से मुक्ति मिलेगी.

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
**प्रमोद कुमार** ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
**सम्पादक**
**प्रमोद कुमार**
मो.7830201066
---
सह-सम्पादक
**दया जोशी**
मो.9412135616